कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष 61 अंक 12 मुंबई नवम्बर 2017

एमएसएमई मंत्री ने आयोग मुख्यालय में स्वच्छता अभियान में भाग लिया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 61 अंक 12 मुंबई नवम्बर 2017

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
बी.एच.अनिल कुमार

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं
लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
ग्रामोदय,3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्स: 022-26719465
ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट: www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

इस अंक में...

समाचार सार 3 से 26

मन की बात ....आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री का संबोधन........................
"नेशन और फैशन" के बाद, प्रधान मंत्री खादी में बदलाव ....
आजादी के बाद पहली बार तकनीकी इंटरवेंशन..................................
चरखा-अगले पांच वर्षों में पांच करोड़ महिलाओं को रोजगार...............
हम खादी की बिक्री नहीं कर रहे हैं अपितु इसे आपके द्वार तक..........
भोपाल में खादी इंडिया लाऊंज का उद्‌घाटन...
गुजरात में आदिवासी ग्रामीणों को 500 मधुमक्खी बक्सों का ....
खादी सुधार और विकास कार्यक्रम के आकलन हेतु राष्ट्रीय..................
आयोग द्वारा नवी मुंबई में खादी इंडिया फ्रेंचाइस शोरुम का ....
स्वच्छता अभियान पखवाड़ा और पुरस्कार वितरण.................................
आयोग द्वारा पारदर्शिता हेतु आईएफएमएस प्रणाली की शुरुआत...........
अहमदाबाद में एक विशेष ब्लॉक स्तरीय बिक्री-सह-प्रदर्शनी..................
गाँधी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन ....
डी.एल.टी.एफ.सी. द्वारा 60 पीएमईजीपी परियोजनाओं ....
लेह में खादी एक्सपो 2017...
आयोग की 649वीं बैठक के मुख्यांश..

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियाँ............26 से 31

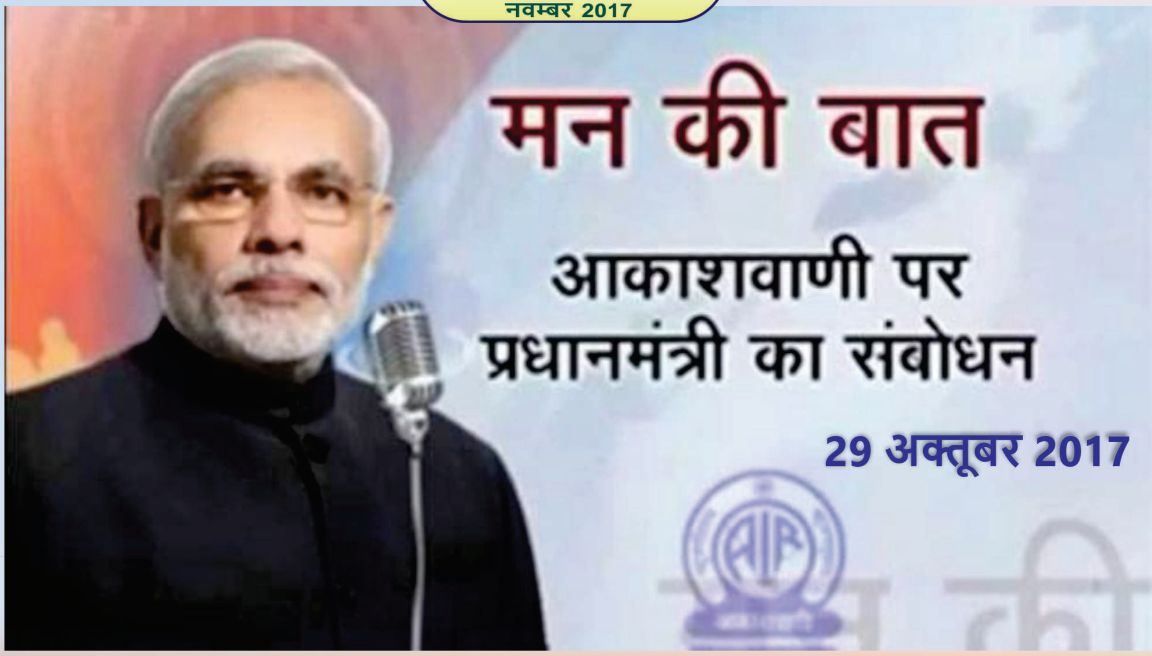

"मेरे प्यारे देशवासियो, 'मन की बात' की सराहना भी होती रही है, आलोचना भी होती रही है। लेकिन जब कभी मैं 'मन की बात' के प्रभाव की ओर देखता हूँ तो मेरा विश्वास दृढ़ हो जाता है कि इस देश के जनमानस के साथ 'मन की बात' शत-प्रतिशत अटूट रिश्ते से बंध चुकी है। खादी और handloom का ही उदाहरण ले लीजिए। गाँधी- जयन्ती पर मैं हमेशा handloom के लिए, खादी के लिए वकालत करता रहता हूँ और उसका परिणाम क्या है ! आपको भी यह जानकर के खुशी होगी। मुझे बताया गया है कि इस महीने 17 अक्तूबर को 'धनतेरस' के दिन दिल्ली के खादी ग्रामोद्योग भवन स्टोर में लगभग एक करोड़ बीस लाख रुपये की record बिक्री हुई है। खादी और handloom का , एक ही स्टोर पर इतना बड़ा बिक्री होना, ये सुन करके आपको भी आनंद हुआ होगा, संतोष हुआ होगा। दिवाली के दौरान खादी gift coupon की बिक्री में क़रीब-क़रीब 680 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। खादी और handicraft की कुल बिक्री में भी पिछले वर्ष से, इस वर्ष क़रीब-क़रीब 90 प्रतिशत वृद्धि देखने को मिली है। यह दिखता है कि आज युवा, बड़े-बूढ़े, महिलाएँ, हर आयु वर्ग के लोग खादी और handloom को पसन्द कर रहे हैं।

मैं कल्पना कर सकता हूँ कि इससे कितने बुनकर परिवारों को, ग़रीब परिवारों को, हथकरघा पर काम करने वाले परिवारों को, कितना लाभ मिला होगा। पहले खादी, 'Khadi for nation' था और हमने 'Khadi for fashion' की बात कही थी, लेकिन पिछले कुछ समय से मैं अनुभव से कह सकता हूँ कि Khadi for nation और Khadi for fashion के बाद अब, Khadi for transformation की जगह ले रहा है। खादी ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति के जीवन में, handloom ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाते हुए उन्हें सशक्त बनाने का, शक्तिशाली साधन बनकर के उभर रहा है। ग्रामोदय के लिए ये बहुत बड़ी भूमिका अदा कर रहा है।"

twitter

Shri Giriraj Singh
MoS, MSME

Yes! It's a record breaking data All thanks to our PM Khadi is Back. Huge growth in sale & it's becoming public movement now.

Vinai Kumar saxena
Chairman, KVIC

Pathbreaking Rs.1.19 Cr single day sales at KhadiIndia,CP outlet is a Diwali tribute to our artisans. Thanks to Khadi lovers.

"नेशन और फैशन" के बाद, प्रधान मंत्री खादी में बदलाव लाना चाहते हैं

नई दिल्ली : 29 अक्तूबर, 2017, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के अपने नवीनतम एपिसोड में कहा कि खादी अपने जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक बदलाव लाकर गरीबों को सशक्त कर रही है, यह केवल खादी के लिए उनके प्यार का संकेत ही नहीं दे रहा है बल्कि इसके आलावा, इसके साथ जुड़े कारीगरों के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने का भी उद्देश्य है।

खादी का उदाहरण देते हुए प्रधान मंत्री ने कहा, "आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस महीने के 17 वें दिन धनतेरस के दिन दिल्ली में खादी ग्रामोद्योग भवन के बिक्री केंद्र में 1.2 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। दिवाली के दौरान, खादी उपहार कूपन बिक्री में 680 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पिछले वर्ष की तुलना में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की कुल बिक्री लगभग 90 प्रतिशत बढ़ी है। स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि आज युवा, बुजुर्ग और हर उम्र की महिलाएं खादी पसंद कर रहें हैं।"

उन्होंने आगे बताया कि इस क्षेत्र में शामिल कई परिवार खादी और हथकरघा से लाभान्वित हो रहे हैं, और बताया कि "पूर्व में हम "खादी फॉर नेशन और खादी फॉर फैशन" की बात करते थे लेकिन मेरे हाल के अनुभव से मैं कह सकता हूं कि राष्ट्र और फैशन के लिए अब खादी परिवर्तनशील है। खादी और हथकरघा ने गरीबों के जीवन को बदल दिया है और उन्हें सशक्त बनाने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभर रही है। यह ग्रामोदय के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधान मंत्री के पास हमेशा खादी के बारे में कुछ प्रवर्तनशील विचार रहे हैं और यहां तक कि यह क्षेत्र वर्तमान में कुछ शानदार प्रदर्शन कर रहा है। आंकड़ों के कुछ नमूने जैसे- नई दिल्ली में खादी भवन की बिक्री 28 अक्टूबर, 2017 को 74.7 लाख रुपये थी, जो कि पिछले वर्ष 2016 में उसी दिन 33.23 लाख रुपये की बिक्री से लगभग 225 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, अप्रैल 2017 और सितंबर 2017 के बीच 5.85 करोड़ रुपए के खादी कूपन दर्ज की बिक्री दर्ज की गई है, जो कि पिछले साल 86 लाख रुपए की कूपन बिक्री से 680 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2016 से सितंबर 2016 के सापेक्ष, अप्रैल 2017 से सितंबर 2017 के बीच 813.86 करोड़ रुपये की बिक्री के साथ इस वर्ष कुल बिक्री में 89 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, इसी अवधि में पिछले वर्ष 429.93 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की गई थी।

जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बिक्री रिकॉर्ड के बारे में बताया तो लोगों द्वारा किए गए बड़े दावों के लिए पर्याप्त था कि विमुद्रीकरण तथा जीएसटी कार्यान्वित लागू करने के कारण लोगों के क्रय करने की शक्ति कम हो गई।

आभार व्यक्त करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना - जिन्होंने हाल ही में अपनी अध्यक्षता में दो साल पूरे किये है,ने कहा कि खादी के लिए प्रधान मंत्री का बहुत प्यार खादी और ग्रामोद्योग आयोग के दिल की धड़कन के रूप में साबित हुआ है। "प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा की गई अपीलों के चलते इस दुकान की बिक्री नवंबर, 2015 में 27 लाख रु. से बढ़कर इस वर्ष 2017 अक्टूबर को1.2 करोड़ रुपये हो गई है।"

उन्होंने कहा इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग

(शेष.. पृष्ठ 20 पर)

आजादी के बाद पहली बार तकनीकी इंटरवेंशन

प्रधान मंत्री के सपने को पूरा करने हेतु आयोग ने सोलर संचालित मोटी कताई अम्बर चरखे की शुरुआत की। 10 अक्तूबर, 2017 को स्वतंत्रता के बाद पहली बार खादी क्षेत्र में तकनीकी इंटरवेंशन संपन्न हुआ।

माननीय एमएसएमई मंत्री श्री गिरिराज सिंह के साथ आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 10 अक्तूबर, 2017 को प्रयोग समिति, अहमदाबाद द्वारा निर्मित 10 स्पिंडल सौर चरखे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री एमएसएमई ने कम श्रम उपयोग के इस कल्याणकारी सोलर चरखे पर प्रकाश डाला।

आयोग के अध्यक्ष ने पिछले दो सालों में खादी के विकास और प्रगति के बारे में अवगत कराया और बताया कि यह बहुत बड़ा परिवर्तन है पिछले दो सालों में इस क्षेत्र में 38% वृद्धि देखी गई है।

चरखा- अगले पांच वर्षों में पांच करोड़ महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा

नई दिल्ली: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन 'खादी फॉर नेशन-खादी फॉर फ़ैशन' का अनुपालन करते हुए, एमएसएमई मंत्रालय ने पांच करोड़ ग्रामीण महिलाओं को चरखे (कताई चक्र) से जोड़ने की योजना बनायी है।

नई दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में गांधी जयंती समारोह को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि अब 'खादी' युवा पीढ़ी में भी लोकप्रिय हो गई है। पहले "समय के दौर में खादी या तो दादाजी(वयोवृद्ध) या नेता (राजनेता) का वस्त्र हुआ करती थी। लेकिन, यह हमारे प्रधान मंत्री द्वारा की गई पहल और अपील है, - जो स्वयं खादी के नये ब्रांड एम्बेसडर हैं, खादी अब युवाओं के बीच एक लोकप्रिय फैशन ट्रेंड बन गयी है।

उन्होंने आगे बताया कि यहां तक कि इसके अच्छे परिणाम भी सामने आये हैं। पिछली सरकारें 10 वर्षों में 70 प्रतिशत तक खादी की बिक्री बढ़ा सकी, लेकिन हमने पिछले 3 वर्षों इसे 90 प्रतिशत बढ़ाया है।"

सौर चरखों के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि आगामी पांच वर्षों में कम से कम पांच करोड़ ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने गाँधी जयंती के अवसर पर कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में कहा कि हमने पूर्व में ही वाराणसी (माननीय प्रधान मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र), नवादा (मंत्री महोदय के निर्वाचन क्षेत्र) और अन्य स्थानों में पांच पायलट परियोजनाओं के साथ इस चरखे को जोड़ा है,

खादी अब युवा पीढ़ी के मध्य लोकप्रिय हो गई है। यह प्रत्येक महिला के लिए 6,000 रुपये से 10,000 रुपये के बीच नियमित आय सुनिश्चित करेगा। खादी को दुनिया भर में एक फैशन ब्रांड बनाने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देश के सभी प्रमुख फैशन संस्थानों के साथ नियमित रूप से संपर्क में है।

श्री सिंह ने आगे कहा कि अफ्रीका में भी, युगांडा गणराज्य के भारतीय उच्चायोग ने गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन और बाबूजी के शताब्दी वर्ष समारोह, जो की अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस भी है, का हिस्सा बने गांधी चरखे को - खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा - युगांडा में जिंजा स्थित गांधी विरासत स्थल पर गांधी चरखे का अनावरण किया जा रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आयोग, 'खादी' कारीगरों के लिए अधिकतम रोजगार के अवसर बनाने के लिए सभी दिशाओं में अपने पंख फैला रहा है। "क्योंकि स्वच्छता और खादी महात्मा गांधी के दिल के करीब थे, खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है।" उन्होंने कहा, "हमने प्रधान मंत्री की 'मधु क्रांति' की आवाज़ को बहुत गंभीरता से उठाया है और हम आने वाले दिनों में हम 'हनी मिशन' को आगे बढानें की कोशिश कर रहे हैं।"

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार पांडा ने खादी और ग्रामोद्योग के कुल कारोबार को बढ़ाने के लिए जोर दिया।

इससे पूर्व, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 60वीं वर्षगांठ पर आयोग द्वारा पुनर्निर्मित एवं पुन: सुसज्जित 60 खादी बिक्री केन्द्रों का उद्घाटन किया – जिसमें एक चौधरी

(शेष.. पृष्ठ 20 पर)

हम खादी की बिक्री नहीं कर रहे हैं अपितु इसे आपके द्वार तक उपलब्ध करा रहे हैं - श्री विनय कुमार सक्सेना

मुंबई, ग्रामोदयः इर्ला रोड, विले पार्ले, मुंबई स्थित आयोग मुख्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की प्रदर्शनी 'खादी उत्सव -2017' का आयोजन किया गया, इस प्रदर्शनी में पारंपरिक उत्पादों का संग्रह प्रदर्शित किया गया, जो आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। प्रदर्शनी का उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने किया।

खादी उत्सव का उद्घाटन करने के पश्चात् अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि आयोग, खादी कारीगरों के लिए अधिकतम रोजगार के अवसर के सृजन हेतु हर तरह के प्रयास कर रहा है। "चूंकि, स्वच्छता और खादी दोनों ही महात्मा गांधी के दिल के करीब थी इस विरासत को खादी और ग्रामोद्योग आयोग आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।" पिछले कई वर्षों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग के परिसर में खादी उत्सव आयोजित किया जा रहा है, इसके माध्यम से कारीगरों को इस दिशा में कई प्रयासों से रोजगार के अवसर पैदा किये जा रहे हैं। हम केवल खादी नहीं बेच रहे हैं, बल्कि इसे आपके दरवाजे पर उपलब्ध करा रहे हैं।"

प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर से इस माह के अंत अर्थात एक माह तक खादी की प्रदर्शनी आयोजित की जाती है और इस प्रदर्शनी के माध्यम से मुंबई महानगर के खादी प्रेमियों के घर-घर तक खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद उपलब्ध कराये जाते हैं। प्रत्येक महिला ने हाथ कत्ते और हाथ बुने खादी वस्त्रों के विभिन्न परिधानों जैसे बालुचरी, काथा, मूगा और एंडी रेशम की साड़ियाँ तथा पश्मीना शॉल, कोशा सिल्क, बंगाल की मसलीन खादी और गुजरात की पटोला साड़ी इत्यादि पर

अपनी रूचि दिखाकर इन्हें पसंद किया है।

इस प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु से विभिन्न प्रकार के कला और कलाकृतियाँ के साथ-साथ कंबल, जैकेट, ऊनी टोपी आदि हर किस्म के उत्पाद संग्रह भी

शामिल थे। व्यापक श्रेणी के तहत बहुत से डिजाइनर रेडीमेड परिधान, जो पीएमईजीपी युवा उद्यमियों द्वारा डिजाइन किये गए थे, युवाओं को आकर्षित कर रहे थे।

इसके अलावा विभिन्न राज्यों के अन्य प्राकृतिक सौंदर्य उत्पाद जैसे हर्बल कॉस्मेटिक्स, शैंपू, साबुन, उत्तर पूर्व के बेंत और बांस उत्पाद, कृत्रिम आभूषण, पंजाब से फूलकारी परिधान, पंजाबी सूट, अचार, आंवला-मुरब्बा, शहद के विभिन्न जायके, बीकानेरी नमकीन, चर्म के उत्पाद, मिट्टी एवं ब्रास दीपक, लघु चित्र, हाथ से बने पेपर उत्पाद, सुगन्धित अगरबत्ती व इत्र, चन्दन लकड़ी का तेल और अन्य उत्पादों, ब्रास उत्पाद आदि की ओर ग्राहक आकर्षित हो रहे थे।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री सक्सेना ने मुख्य सर्तकता अधिकारी श्री मोहित जैन, वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश के साथ प्रदर्शनी में स्थापित स्टालों का दौरा किया और स्टाल प्रतिनिधियों के साथ उत्पादों के बारे में विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को भी संबोधित किया।

आयोजित खादी उत्सव के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने प्रदर्शनी में स्थापित स्टालों का दौरा किया और स्टाल प्रतिनिधियों के साथ उत्पादों के बारे में विचार-विमर्श किया।

माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने अपने प्रवास के दौरान आयोग द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता आभियान में भी भाग लिया तथा आयोग परिसर में पौधा रोपड़ किया।

भोपाल में खादी इंडिया लाऊंज का उद्‌घाटन

30 अक्टूबर 2017 को भोपाल में सरस्वती नगर स्थित जवाहर चौक में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी इंडिया लाऊंज का उद्‌घाटन किया। उद्‌घाटन समारोह में मध्य प्रदेश सरकार के महिला और बाल विकास मंत्री सुश्री अर्चना चिटनीस, पशुपालन, मछुवारा कल्याण और विकास व मत्स्य पालन मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, पर्यावरण मंत्री, तथा मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष सूरज सिंह आर्य के अलावा बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मध्य क्षेत्र श्री एस.पी. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह खादी लाऊंज कड़ी मेहनत के कारण हासिल हुआ है।

महिला और बाल विकास मंत्री सुश्री अर्चना चिटनीस ने इस अवसर पर कहा कि बुरहानपुर जिला में खादी उत्पादन केंद्र खोला जा रहा है । खादी और हस्तशिल्प के ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री और मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए, जहां भी संभव हो और आवश्यक हो, वहां स्थापित विपणन एजेंसियों के साथ संबंध स्थापित करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा शहद के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शहद के बक्सों को विशेष रूप से महिला कारीगरों को वितरित किया जाएगा ताकि वे अधिक राजस्व प्राप्त कर सकें।

प्रदेश सरकार के पशुपालन, मछुवारा कल्याण और विकास व मत्स्य पालन मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास के लिए सभी प्रकार की हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

यह उल्लेखनीय है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग, उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए गैर-पारंपरिक ऊर्जा और बिजली के उपयोग को शामिल करने में भी मदद करता है, इससे कारीगरों के श्रमिक कष्ट दूर होगा और इसके अतिरिक्त उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और इस तरह के प्रयासों से प्राप्त प्रमुख परिणामों के प्रसार के लिए आयोग अपने भरसक प्रयास कर रहा है।

(शेष.. पृष्ठ 20 पर)

गुजरात में आदिवासी ग्रामीणों को 500 मधुमक्खी बक्सों का संवितरण

कुम्हरा (आरावली): प्रधान मंत्री के 'हनी मिशन' को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग नेगुजरात में अरावली जिले के कुम्हरा गांव में 100 आदिवासी परिवारों में 500 मधुमक्खी बक्से वितरित किए। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा मधुमक्खी बक्से वितरित किए गए।

यह मधुमक्खी बक्से अधिकतर जनजातीय महिलाओं को प्रदान किये गए, जिन्होंने इस संबंध में पांच-दिन का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। कुम्हरा के इस अपहचानित गांव में मधुमक्खी पालन, जहाँ प्रचुर मात्रा में फ्लोरा और फ्यूना पाए जाते हैं, का आदिवासियों द्वारा विकसित कपास और मक्का जैसे फसलों की पैदावार पर परागण के कारण सकारात्मक प्रभाव होगा।

इस मधुमक्खी बक्से संवितरित करने के पश्चात् श्री सक्सेना ने बताया कि माननीय प्रधान मंत्री का मिशन है कि न केवल मधुमक्खियों के जरिए किसानों की आय को दोगुना करना है बल्कि शहद के उपभोग से उन्हें स्वस्थ भी बनाना है। अध्यक्ष ने इस कार्यक्रम में आदिवासी परिवारों को शहद की 200 बोट्लस संवितरित की। इन आदिवासी किसानों को मधुमक्खी के बक्से के साथ-साथ सुरक्षा कैप, हाथ-दस्ताने और नेट (जाली) जैसे उपकरण भी मुफ्त में संवितरित किए गए।

खादी सुधार और विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स की परामर्श बैठक

मुंबई, 28 अक्तूबर, 2017: खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी) के सभी स्टेकहोल्डरों के साथ अध्ययन के निष्कर्षों को साझा करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर परामर्श कार्यशाला का आयोजन आई.एम.ए. हॉल, जुहू, मुंबई में किया गया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में परामर्श कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यशाला में 135 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें एडीबी के प्रतिनिधि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सूक्षम, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के संयुक्त सचिव, आयोग के सदस्य, वित्तीय सलाहकार, केन्द्रीय, क्षेत्रीय, राज्य और विभागीय कार्यालयों के पदाधिकारी, २० खादी संस्थाओं के अध्यक्ष और सचिव तथा कारीगर शामिल थे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने परामर्श से संबोधित करते हुए कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इतिहास में यह एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसने खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास के लिए व्यापक समर्थन प्रदान किया है। उन्होंने खादी संस्थाओं को भी बधाई दी, जो के.आर.डी.पी. के लिए लाभ उठाने हेतु आगे आयी हैं।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और वित्त सलाहकार ने भी केआरडीपी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए|

खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कत्तिनों और बुनकरों ने अपने अनुभव साझा (शेयर) किये, जैसा कि केआरडीपी ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग से पूर्व काम करने के तरीके के मुकाबले खादी उत्पादों के उत्पादन और उनकी बिक्री में सुधार और उनके जीवन में सुधार के तरीकों को उन्नत किया है।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री डी. धनपाल ने धन्यवाद ज्ञापन देकर कार्यशाला का समापन किया |

आयोग द्वारा नवी मुंबई में खादी इंडिया फ्रेंचाइस शोरुम का शुभारम्भ

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने एक और पहल के तहत अब नवी मुंबई के लोगों को खादी फ्रेंचाइज शोरूम देकर 16 अक्टूबर 2017 को एक फ्रैंचाइजी शोरूम के रूप में अपनी दूसरी श्रृंखला खोलकर इतिहास बनाया है। यह डिज़ाइन अरिकोज-खादी इंडिया स्टोर, 17 दुकान, रियल टेक पार्क, वाशी, नवी मुम्बई (इनोर्बिट मॉल के पास और तुंगा होटल के सामने) में शुरू किया जा रहा है ।

उद्यम (वेंचर) की इस नवीनतम श्रृंखला की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रत्येक द्वार पर खादी उपलब्ध कराना हमारा मिशन है और आज यहां पहले फ्रेंचाइजी का उद्घाटन इस दिशा में एक छोटी सी ५क पहल है। हम प्रत्येक जिले में एक वास्तविक बिक्री नेटवर्क लानेकी योजना बना रहे हैं। इस दिशा में प्रतिक्रियाबहुत उत्साहजनक रही है। हमें मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, पुडुचेरी, गोवा और कोलकता जैसे बड़े मेट्रो शहरों के अतिरिक्त, यहाँ तक कि दुबई से फ्रैंचाइज़ी बिक्री के लिए खादी इंडिया आउटलेट शुरू करने में रूचि की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई है।

उन्होंने कहा कि "पिछले कुछ वर्षों में हमारे

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने मन की बात के माध्यम से खादी को बढ़ावा दिया है जिससे खादी की मांग, खादी विगत वर्ष में 15.1 करोड़ रुपए बढ़ी है और वर्ष 2016-17 के दौरान 2005 करोड़ रुपए बिक्री हुई,जो कि 33 फीसदी की बढ़ोतरी है। खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र में कुल 51,997 करोड़ रुपये का आश्चर्यजनक आंकड़ा और देश में यह बहुत बड़ा आपूर्ति आधार है। हमें अगले 3 सालों में खादी उत्पादन में 5 गुना वृद्धि द्वारा 6000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है,जिससे करीब 20 लाख तक अतिरिक्त अनुमानित रोजगार सृजन होगा।"

उच्च श्रेणी के उपभोगताओं को गुणवतायुक्त उत्पाद प्रदान करने और खादी हेतु ग्लोबल बाजार विकसित करने एवं अपने कारीगरों के लिए स्थायी रोजगार प्रदान करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने कम्पनियों जैसे रेमंड, अरविंद मिल्स लि., ए.बी.एफ.आर.एल. के साथ समझौता किया है एंव

ओएनजीसी, रेलवे, आरईसी, स्वास्थ्य मंत्रालय, दिल्ली पुलिस, एन टी पी सी, एयर इंडिया, जे.के. सिमेंट जैसे पीएसयू के साथ अनुबंध किया है।

डिजाइन आरीकोज़ की शारी बसु कहती हैं, "नवी मुंबई में खुलने वाला पहला खादी इंडिया स्टोर है जो डिजाइन आर्किकोज द्वारा शुरू किया गया है, और बाद में कुछ और स्टोर देश और विदेशों में खोलने की योजना बना रहे हैं।" शारी बसु, केवीआईसी के साथ लगभग 15 वर्षों से एक डिजाइनर के रूप में जुड़ी रही हैं और कई कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों को डिजाइन करने के लिए केवीआईसी के लिए कई पुरस्कार जीते हैं और हाल ही में केवीआईसी के लिए 26 जनवरी को राजपथ पर निकली जाने वाली झांकी की रूपरेखा भी तैयार की है। खादी के लिए उनके प्यार और जुनून ने उन्हें इस खादी इंडिया स्टोर को शुरू करने के लिए प्रेरित किया है।

इस फ्रेंचाइजी शोरूम में केवल खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित उत्पादों की ही बिक्री की जाएगी, जिन पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा जारी खादी मार्क विनियम, 2013 के अनुसार खादी मार्क लगा हो, जिन उत्पादों पर इस प्रकार खादी मार्क नहीं लगाया गया है तो ऐसे उत्पादों की बिक्री नहीं की जाएगी।

मोडासा में नया खादी ग्रामोद्योग भवन

इससे पूर्व में आयोग के राज्य निदेशक, गुजरात श्री संजय हेडाऊ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्था को भवन के विकास के लिए कैसे सहायता प्रदान की गई थी। उन्होंने संस्था के कारीगरों की भी सराहना की।

इस अवसर पर श्री धर्मेंद्र योगी और

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 28 सितंबर, 2017 को योगीकृपा खादी ग्रामोद्योग भवन के नए खादी इंडिया शोरूम का उद्‌घाटन किया।

जसवंत योगी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। संस्था गुजरात के आदिवासी क्षेत्र में काम करती है और संस्था में लगभग 450 कारीगर कार्यरत हैं।

श्री सक्सेना ने अपने उद्घाटन संबोधन में सरकार द्वारा उठाए गए लाभकारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि अपने प्रबल प्रयासों के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सरकार की विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम चला रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पास कई योजनाएं और कार्यक्रम हैं जो लोगों को लाभ के लिए नए रास्ते उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने मधु क्रांति के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी, जिसमें ग्रामोद्योग स्थापित करने के लिए बहुत अधिक अवसर हैं विगत दो वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की वृद्धि दर में 34% की वृद्धि हुई है।

स्वच्छता अभियान पखवाड़ा और पुरस्कार वितरण

स्वच्छ भारत मिशन की तीसरी वर्षगांठ पर, जोकि भारत सरकार की सबसे महत्वपूर्ण एक अभियान है, इस अभियान में सक्रियता से भाग लेते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान पखवाड़ा- 15 सितंबर से 5 अक्टूबर 2017 तक मनाया।

इस अभियान के तहत केंद्रीय और राज्य कार्यालयों और कार्यालय के आवासीय परिसरों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया।

कर्मचारियों द्वारा किए गए अतिरिक्त प्रयासों की सराहना करने के लिए, परिसर में स्वच्छता बनाए रखने हेतु केंद्रीय कार्यालय और भाण्डुप आवासीय परिसरों को पुरस्कारों का वितरण किया गया।आयोग मुख्यालय में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कर्मचारियों और कर्मचारियों के बच्चों के बच्चों के लिए इस पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, ड्राइंग और इसी तरह की अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

आयोग द्वारा पारदर्शिता हेतु आईएफएमएस प्रणाली की शुरुआत

मुंबई, 3 नवंबर 2017: खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मोहित जैन और उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस.राव, श्री वाई.के.बारामतीकर, श्री पी. धनपाल, और केंद्रीय कार्यालय के सभी कार्यक्रम निदेशक की उपस्थिति में केंद्रीय कार्यालय मुंबई से 'एकीकृत वित्त प्रबंधन प्रणाली' (आईएफएमएस) की शुरूआत की। इस प्रणाली के तहत वित्त, बजट और खातों की पूरी व्यवस्था को डिजिटल किया जायेगा और इसे सरलीकृत, सटीक, तेज़ और पारदर्शी बनाया जायेगा । यह कार्यक्रम आई.टी.ओ., ए.बी.बी. और बीडब्ल्यूसी के समन्वय से खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सूचना और प्रौद्योगिकी टीम द्वारा विकसित किया गया है।

इस अवसर पर आयोग की वित्त सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने आईएफएमएस प्रणाली के विकास पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह खादी और ग्रामोद्योग आयोग में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में आगे एक कदम है और यह एक महान उपलब्धि है जो लंबे समय से प्रतीक्षारत थी। अब खादी और ग्रामोद्योग आयोग की जिम्मेदारी है कि इसकी आगे की यात्रा जारी रखने के लिए इस प्रणाली को स्थाई रूप में बनाये रखना।

एडीबी से श्री श्रीवास्तव जो ऑनलाइन जुड़े थे, उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों की सराहना की।

श्री के.एस.राव ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि यह प्रणाली खादी और ग्रामोद्योग आयोग क्षेत्र की संपूर्ण वित्तीय प्रबंधन प्रणाली में क्रांति लाएगी। यह एक गतिशील इंटरवेंशन है और खादी और ग्रामोद्योग आयोग में एक आकस्मिक परिवर्तन है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के जीवंत (लाइव) ऑपरेशन परीक्षण के लिए उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण भी किया गया।

इससे पूर्व, सूचना और प्रौद्योगिकी के निदेशक श्री एम. राजन बाबू ने इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों के समक्ष 'एकीकृत वित्त प्रबंधन प्रणाली' प्रस्तुत की और इसके बारे में सविस्तार से बताया।

अहमदाबाद में एक विशेष ब्लॉक स्तरीय बिक्री-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

गुजरात सरकार, खादी गतिविधियों को बढ़ावा देने, खादी के प्रचार और खादी के वितरण के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है। इस दिशा में सरकारी स्तर पर विभिन्न पहल की गयी हैं। 25 सितंबर से 2 अक्तूबर 2017 तक पंडित दीनदयाल उपध्याय जन्म शताब्दी और महात्मा गांधी जयंती मनायी गयी।

इस समारोह के दौरान ब्लॉक स्तरीय एक बिक्री-सह-प्रदर्शनी का आयोजन गुजरात सरकार द्वारा गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सहयोग से किया गया। स्थानीय नेताओं, सांसद / विधायक ने खादी स्टाल का दौरा किया तथा खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की खरीदी की।

इस अनुक्रम में मंत्री श्री भूपेंद्र चुडासामा ने 29 सितंबर, 2017 को सचिव शिक्षा श्रीमती सुनयना तोमर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुजरात भवन में 73000/- रूपये के खादी वस्त्रों की खरीदी की।

गाँधी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री वाजूभाई वाला ने गांधी जयंती के अवसर पर बेंगलूरू में खादी इंडिया बिक्री केंद्र का दौरा किया।

ग्राम स्वराज परिषद रंगिया, असम में 2 अक्टूबर को गाँधी जयंती समारोह अहिंसा दिवस के रूप मनाया गया

आयोग के राज्य कार्यालय, अंबाला में गाँधी जयंती समारोह

डी.एल.टी.एफ.सी. द्वारा 60 पीएमईजीपी परियोजनाओं की सिफारिश

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (डीएएनआईसीएस), श्री महेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जिला कार्यालय, पोर्ट ब्लेयर में 11 अक्टूबर, 2017 को जिला उद्योग केंद्र और अंडमान और निकोबार खादी और ग्रामोद्योग मंडल हेतु जिला स्तरीय कार्यबल समिति (डीएलटीएफसी) की 66 वीं बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंडमान और निकोबार खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड एंव जिला उद्योग केंद्र के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण अंडमान जिले से प्राप्त ऋण आवेदनों पर करवाई करने के लिए विचार-विमर्श किया गया।

डीएलटीएफएफ ने 60 ऋण प्रस्तावों की सिफारिश की गयी (अंडमान और निकोबार खादी और ग्रामोद्योग मंडल द्वारा प्रायोजित 23 मामले और डी.आई.सी. द्वारा 37 मामले) जिसमें चालू वित्त वर्ष 2017-18 हेतु विधिवत रूप में कुल परियोजना लागत के रूप में 3.71 करोड़ रु. का निधियन शामिल है।

लेह में खादी एक्सपो 2017

आयोग ने नई ऊंचाइयों को छुआ.........
लेह, जम्मू कश्मीर में स्थानीय लोगों और विदेशी सेलानियों द्वारा 30 सितंबर 2017 को खादी प्रदर्शनी का आयोजन।

(पृष्ठ 4....से आगे)

आयोग ने हमारे प्रधान मंत्री के सपने को पूरा करने में एक सराहनीय कार्य किया है। "मुझे यकीन है कि यह बिक्री आंकड़े हमारी सरकार की आर्थिक नीतियों के आलोचकों की चुपी पर लगाम लगाएगी।"

यह उल्लेखनीय है कि मैंगलोर रिफाइनरी, गेल और ओएनजीसी ने अपने कर्मचारियों को उपहार कूपन देने का भी फैसला किया है। इतना ही नहीं, आरईसी, रेमंड और होटल जनपथ सहित कुछ कॉरपोरेट जगत से कूपन के लिए अन्य ऑर्डर भी प्राप्त किये गए हैं। ▣

(पृष्ठ 7....से आगे)

चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, लखनऊ में खादी बिक्री केंद्र का रिमोट डिवाइस के जरिये उद्घाटन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किए गए नए बिक्री पहल के तहत उन्होंने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के दो खादी संस्थानों में से प्रत्येक के पांच कारीगरों को चेक स्वरुप पुरस्कार प्रदान किये। तत्पश्चात, माननीय मंत्री महोदय ने पालिका बाजार में एक हनी पार्लर का भी उद्घाटन किया। इस हनी पार्लर में शहद के विभिन्न गुणों के साथ विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। ▣

(पृष्ठ 10....से आगे)

इस अवसर पर राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष सूरज सिंह आर्य ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों के बीच आत्मनिर्भरता पैदा करने के लिए काम कर रही है। इसके कार्यों में, उत्पादकों को आपूर्ति करने के लिए कच्चे माल और औजारों का भंडारण, और कच्चे माल जैसे अर्द्ध- तैयार सामग्रियों का प्रसंस्करण करने के लिए आम सेवा सुविधाओं का निर्माण करनाऔर खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के विपणन के लिए प्रावधान सुविधाएं साथ में इन उद्योगों में लगे कारीगरों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करना और उनके बीच सहकारी प्रयासों को प्रोत्साहन देना, भी शामिल है। ओमकारेश्वर में भी इन उद्योगों में लगे कारीगरों को प्रशिक्षण देने के लिए खादी उत्पादन केंद्र खोले जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है और शहद मिशन के माध्यम से ग्वालियर के विभिन्न केंद्रों में और अधिक से अधिक जिलों में शहद बॉक्सेस वितरित किए जाएगे।

खादी इण्डिया लाउन्ज के उद्घाटन समारोह के दौरान एक फैशन शो का भी आयोजन किया गया। फैशन शो के समापन सत्र में विभिन्न फैशन डिजाइनरों ने खादी फैब्रिक में अपने नए डिजाइनों का प्रदर्शन किया जिसकी दर्शकों ने सराहना की।

श्री अंतार सिंह, श्री सूरज आर्य और सुश्री अर्चना चिटनीस सहित अन्य मंत्रियों ने भी युवा फैशन डिजाइनरों को प्रोत्साहित करने के लिए फैशन शो में कैटवॉक किया। ▣

आयोग की 649वीं बैठक के मुख्यांश

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 649 वीं बैठक, श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अध्यक्षता में दिनांक 26 सितंबर 2017 को सम्पन्न हुई । उपरोक्त बैठक में आयोग के निम्नलिखित सदस्य- श्री विनय कुमार सक्सेना , अध्यक्ष; श्री जय प्रकाश तोमर ,आंचलिक सदस्य (मध्य अंचल); श्री जी. चन्द्रमौलि,आंचलिक सदस्य (दक्षिण अंचल); डॉ संगीता कुमारी , आंचलिक सदस्य (पूर्व अंचल); श्री अशोक भगत , विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास), श्री राजेंद्र प्रताप गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन); डॉ हिना शफी भट्ट, आंचलिक सदस्य (उत्तर अंचल); डॉ शीला राय, विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण); श्री संदीप मिश्रा, डीजीएम, एसबीआई; श्री बी. एच. अनिल कुमार, संयुक्त सचिव/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी, एमएसएमई ; श्रीमती ऊषा सुरेश , वित्तीय सलाहकार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग उपस्थित अधिकारी उपस्थित थे।

- संयुक्त सचिव/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खाग्राआ ने आयोग के सभी सदस्यों को यह जानकारी दी कि वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली ने "खादी फैब्रिक्स' को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने का निर्णय लिया है। इस संदर्भ में आयोग के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि माननीय वित्त मंत्री व माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को आयोग के अध्यक्ष की ओर से आभार व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा जाए ।
- आयोग के सदस्यों ने इस बात की भी सराहना की है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के विकास हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा की गई विकासात्मक पहल/कार्यों की सराहना दिनांक 24.09.2017 को प्रसारित "मन की बात" के माध्यम से की है। अतः खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा "मन की बात" के माध्यम से नियमित रूप से प्रदत्त अपेक्षित सहायता के लिए उनके प्रति अपार कृतज्ञता व्यक्त करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। आभार व्यक्त करते हुए अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा माननीय प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा जाएगा।

▪ मद संख्या .9.1 : ग्रामोद्योग समन्वय निदेशलय द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया ।

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामोद्योग) तथा लिंक अधिकारी (ग्रामोद्योग समन्वय) ने ग्रामोद्योग मिशन पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसमें कार्यशील संस्थाओं की उद्योग-वार संख्या व ग्रामोद्योग क्षेत्र के पुनरुद्धार हेतु संबन्धित क्षेत्र पर ज़ोर दिया गया तथा निधि की आवश्यकता को भी विनिर्दिष्ट किया गया।

उपरोक्त प्रेजेंटेशन के आधार पर, इस संबंध में "वीआई हेतु कान्सेप्ट ऑफ विजन -22" पर राय /विचार देने हेतु एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसकी संरचना निम्नानुसार होगी:-

(क) श्री अशोक भगत, विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) :अध्यक्ष
(ख) श्री राजेंद्र प्रताप गुप्ता, :सदस्य विशेषज्ञ सदस्य (विपणन)
(ग) श्री के एस राव, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) : सदस्य
(घ) श्री वाई के बारामतीकर : सदस्य संयोजक
उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामोद्योग)

• मद संख्या: 9.2 : खादी निदेशालय द्वारा खादी विजन पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया ।

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह निर्देश दिया गया कि खादी विकास (खादी फोकस) पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को पूर्व में ही प्रेषित प्रस्ताव को खादी विजन के अंतर्गत वर्तमान में तैयार प्रस्ताव के साथ जोड़ा जाए।

उपरोक्त कार्य हेतु अंचल वार समिति का गठन किया गया, जिसकी संरचना निम्नानुसार है।

(ए) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खाग्राआ -अध्यक्ष
(बी) वित्तीय सलाहकार, केवीआईसी -सदस्य
(सी) उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (खादी) -सदस्य
(डी) उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) -सदस्य
(ई) उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी - सदस्य
(उत्तर/दक्षिण /पश्चिम /पूर्व /उत्तर अंचल

(एफ) निदेशक (केआरएम) -सदस्य
(जी) निदेशक (खादी) -सदस्य संयोजक

मद संख्या 10 : अभयारण्य परियोजना के अंतर्गत कार्रवाई

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पीएमईजीपी) ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में रेड कोरीडोर क्षेत्रों के विकास हेतु माह अप्रैल, 2017 में रांची में किए गए अभयारण्य परियोजना के उदघाटन के बाद से लेकर अब तक अभयारण्य परियोजना के अंतर्गत की गई कार्रवाई के बारे में बैठक में विस्तार से वर्णन किया। उपरोक्त विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

(ए) वर्ष 2017-18 के दौरान, सभी आंचलिक सदस्य वर्ष 2017-18 हेतु बढ़े हुए लक्ष्यांक की प्राप्ति की दिशा में कार्रवाई करना चाहेंगे।

(बी) जीवनक्षम परियोजनाओं को चिन्हित करने व सफलता पूर्वक इसकी शुरुआत करने, उद्यमियों को सभी प्रकार की सहायता/मार्गदर्शन प्राप्त करने में उन्हें सक्षम बनाने हेतु पीएमईजीपी उद्यमियों को आरएसईटीआई से जोड़ना।

(सी) आरएसईटीआई के सहयोग से एनजीओ हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करना।

(डी) इस चरण के अंतर्गत (१) अभयारण्य परियोजना को ओड़ीशा एवं झारखंड जैसे राज्यों को अ.जा/अ.ज.जा के युवाओं को लक्ष्य बनाते हुए ध्यान देना चाहिए।

(ई) आरएसईटीआई के साथ एनजीओ को भी जोड़ा जाएगा।

स्व विवेक से लिए गए निर्णय:

आयोग के सदस्यों की यात्रा व्यवस्था :

आयोग के सदस्यों ने उल्लेख किया कि प्रवास के समय, सदस्यों को वाहन उपलब्ध कराने में क्षेत्रीय कार्यालयों को कठिनाइयां हो रही हैं। उन्होनें भुगतान हेतु लंबित टी.ए. बिलों का भी उल्लेख किया। इस विषय पर की गई विस्तृत चर्चा का विवरण निम्नानुसार है :-

वित्तीय सलाहकार, खा.ग्रा.आ ने जानकारी दी कि टी.ए एवं आकस्मिकता मद में राशि अत्यंत सीमित है, एवं वर्तमान वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा जारी सम्पूर्ण राशि समाप्त हो चुकी है। उन्होने अनुरोध किया कि आकस्मिकता मद के अंतर्गत होने वाले खर्चों को सीमित किया जाए एवं भारत सरकार के मितव्ययिता -उपायों को अपनाया जाना चाहिए।

(ए) आयोग प्रकोष्ठ, खा.ग्रा.आ, मुंबई ने आयोग के सदस्यों (१) श्री जय प्रकाश तोमर, सदस्य (मध्य अंचल) (२) श्री चन्द्रमौली, सदस्य (दक्षिण अंचल) (३) डॉ. संगीता कुमारी, सदस्य (पूर्वी अंचल), (४) श्री राजेन्द्र प्रताप गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) एवं (५) श्री अशोक भगत, विशेषज्ञ सदस्य (ग्रा.वि) को हवाई जहाज द्वारा यात्रा भत्ता के संबंध में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी विभिन्न पत्रों की विविध प्रतियों सहित नवंबर 2015 से जून 2017 तक के टीए भुगतान का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया है। उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (आयोग प्रकोष्ठ) ने सदस्यों को सूचित किया कि उन्हें ई-मेल द्वारा पहले ही विवरण उपलब्ध करा दिया गया है। सदस्य (मध्य अंचल) ने इस बात की पुष्टि की कि इस प्रकार के मेल उन्हें पहले भी प्राप्त हुई हैं।

(बी) आयोग के सदस्यों द्वारा प्राइवेट एयरलाइन्स से की गई यात्रा के संबंध में भुगतान हेतु लंबित सभी टीए बिल्स पास किए जाने हैं। अब संबन्धित मामले को नागर विमानन मंत्रालय व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समक्ष इस बात पर विशेष ज़ोर देते हुए प्रस्तुत किया जाएगा कि (१) कभी-कभी प्राइवेट एयरलाइन्स की तुलना में एयर इंडिया की फ्लाइट का किराया बहुत अधिक है (ii) विभिन्न क्षेत्रों में एयर इंडिया की फ्लाइट की तुलना में प्राइवेट एयरलाइन्स की उपलब्धता किसी भी समय में अधिक है। (iii) आसान कनेक्टिविटी के कारण समय की भी बचत होती है।

(सी) मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, सदस्यों द्वारा प्राइवेट एयरलाइन्स से की गई यात्रा बिलों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से अनुमोदित कराया

जाएगा।

(डी) सदस्य (मध्य अंचल) श्री तोमर ने आयोग के सदस्यों द्वारा इकोनोमी क्लास में यात्रा करने संबंधी प्रश्न उठाया, यद्यपि उनका स्टेटस संयुक्त सचिव के बराबर है, जो कि बिजनेस क्लास में यात्रा करने के पात्र हैं । माननीय अध्यक्ष ने सुझाव दिया क्योंकि सदस्यों का स्टेटस संयुक्त सचिव के बराबर है तो उन्हें भी बिजनेस क्लास में यात्रा करने के लिए पात्र होना चाहिए। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी वर्तमान पात्रता के अनुसार भविष्य में आयोग के सभी सदस्य बिजनेस क्लास में यात्रा करने के पात्र हैं । एयर इंडिया द्वारा यात्रा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

(ई) आयोग के सभी सदस्यों ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय मंत्री जी से मिलकर केवल एयर इंडिया से यात्रा करने संबंधी मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उनके द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराने की आवश्यकता महसूस की।

(एफ) श्री आर.पी गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) ने यह जानकारी दी है कि वे बिजनेस क्लास के लिए पात्र होने के बावजूद भी इकॉनमी क्लास में यात्रा करते है।

(जी) यह भी निर्णय लिया गया कि देशभर की खादी और ग्रामोद्योगी संस्थाओं में कई बेहतर कार्य किए जा रहे हैं, इसलिए खादी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया जाए।

(एच) आयोग ने बाजार के वर्तमान रुझान को देखते हुए एक स्पेशल कुर्ता व जैकेट लॉंच करने का निर्णय लिया।

विनोबा सेवा समिति, जयपुर का बजट :

डॉ शीला राय, विशेषज्ञ सदस्य (टीईटी) ने आयोग का ध्यान विनोबा सेवा समिति, जयपुर की वर्तमान स्थिति की ओर आकृष्ट किया।

उपरोक्त मामले पर विचार विमर्श करते समय सदस्य(टीईटी) को यह जानकारी दी गई कि विनोबा सेवा समिति के पुनरुद्धार हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा पूर्व में ही आवश्यक कार्रवाई की गई है, चूंकि इस संस्था से अनेक कारीगर जुड़े हैं।

खादी -परीक्षण की गुणवत्ता:

डॉ शीला राय, विशेषज्ञ सदस्य (टीईटी) ने खादी क्षेत्र में उत्पादित खादी की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए सुविधाओं/कार्य-पद्धति पर ज़ोर दिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पदाधिकारियों हेतु पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करना।

डॉ शीला राय,विशेषज्ञ सदस्य (टीईटी) ने यह सूचित किया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों का कौशल-उन्नयन करने के लिए उनके लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है, जिससे कि उनसे बेहतर परिणाम/आउटपुट प्राप्त हो सके। इस संबंध में क्षमता निर्माण निदेशालय द्वारा यथाआवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जारी व उपयोग की गई निधियों का विवरण प्रेषित करना।

अप्रैल 2017 से अगस्त 2017 तक के लक्ष्यांक व उपलब्धि के संबंध में अर्थ अनुसंधान निदेशालय द्वारा प्रेषित विवरण पर चर्चा करते समय कार्यनिष्पादन/उपलब्धि के विवरण को गत वर्ष के तदनुरूप वर्षों के साथ शामिल करने की आवश्यकता महसूस की गई । इसके लिए, सभी संबन्धित उद्योग/कार्यक्रम निदेशालय वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान शुरुआती शेष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गई निधि के सापेक्ष उपलब्ध शेष निधि के विवरण को विनिर्दिष्ट करते हुए अपने लक्ष्यांक व उपलब्धि (गत वर्ष/अवधि के तदनुरूप) के संबंध में विस्तृत विवरण को संकलित कर सकते हैं। इस प्रकार, संकलित/समेकित विस्तृत विवरण को नियमित रूप से अर्थ अनुसंधान निदेशालय को प्रेषित करने की आवश्यकता है, जिससे कि अर्थ अनुसंधान निदेशालय द्वारा इसे प्रत्येक माह आयोग की बैठक में प्रस्तुत किया जा सके।

चूंकि, अर्थ अनुसंधान निदेशालय ने, सामान्य घटक के अंतर्गत, आयोग की ६४९वीं बैठक में प्रस्तुत अपने विवरण में उपरोक्त जानकारी नहीं दी है, इसलिए अर्थ अनुसंधान निदेशालय को भविष्य में उपरोक्त विषय से

संबन्धित जानकारी प्रेषित करने/देने का निर्देश दिया गया

शुरुआती शेष, जारी व उपयोग की गई निधि (योजना-वार विवरण) के राज्य-वार विवरण को संकलित कर विस्तृत विवरण को नियमित रूप से अर्थ अनुसंधान निदेशालय को प्रेषित करें जिससे कि अर्थ अनुसंधान निदेशालय द्वारा इसे प्रत्येक माह आयोग की बैठक में प्रस्तुत किया जा सके।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों को प्रत्यायोजित वित्तीय अधिकार

आयोग की 649वीं बैठक में विविध मुद्दों पर की गई चर्चा में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पदाधिकारियों/कार्यकारियों को वर्तमान में प्रत्यायोजित वित्तीय शक्तियों में यथाआवश्यक संशोधन करने हेतु सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को एक प्रस्ताव प्रेषित करने की आवश्यकता महसूस की गई।

जम्मू और कश्मीर राज्य की संस्थाओं को बजट –स्वीकृति

सदस्य (उत्तर अंचल) ने यह सूचित किया कि कुछ संस्थाओं की गतिविधियों के कारण जम्मू और कश्मीर में स्थित लघु संस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। इस संबंध में वित्तीय सलाहकार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने यह स्पष्ट किया कि पिछली बैठक में 65 संस्थाओं के बजट स्वीकृत किए गए हैं तथा अन्य 17 संस्थाओं के बजट एसएफ़सी के अनुसमर्थन हेतु प्रस्तुत किए गए हैं। वित्तीय सलाहकार ने सूचित किया कि बजट राज्य निदेशक की सिफ़ारिशों तथा खादी संस्थाओं की वर्ष 2014-15 के लेखा परीक्षित तुलन पत्रक के आधार पर अनुमोदित किए गए थे। लेखा परीक्षित तुलन पत्रक देने से इंकार करने वाली तथा लेखा परीक्षा न करवाने वाली खादी संस्थाओं को कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है। चूंकि, लेखा परीक्षा कार्य का समय पर पूरा होना सभी संस्थाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए लेखा परीक्षा की आवश्यकता का अनुपालन न करने वाली सभी संस्थाओं के प्रमाणपत्र को एक वर्ष हेतु निलंबित करने का निर्णय लिया गया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने एसबीआई की बकाया राशि को माफ करने हेतु मामले को एसबीआई के समक्ष प्रस्तुत किया।

आयोग ने सीएमडी के हस्ताक्षर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी को संबोधित पत्र को नोट किया, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि बकाया राशि को माफ करने पर विचार करने की कोई भी संभावना नहीं है फिर भी इस संबंध में मैत्रीपूर्ण समाधान पर परस्पर विचार किया जा सकता है। आयोग की 649वीं बैठक में सम्मिलित एसबीआई के प्रतिनिधि (श्री संदीप मिश्रा, डीजीएम, एसबीआई) के समक्ष यह स्पष्ट किया गया कि एसबीआई की बकाया राशि को माफ करने के संबंध में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की परिचर्चा केवल एसबीआई के सीएमडी के साथ ही होगी।

अनुलग्नक -1

आयोग की दिनांक 21 अगस्त 2017 को श्रीनगर में सम्पन्न 648वीं के कार्यवृत्त की पुष्टि करते समय उत्पन्न मुद्दे।

i. जहां तक श्री राजेंद्र प्रताप गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) द्वारा आयोग की 648वीं बैठक में उठाए गए कुछ बिन्दुओं का संबंध है, तो इस संबंध में अध्यक्ष महोदय द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि उपरोक्त कार्यवृत्त में उनके द्वारा उठाते गए मामले को गंभीरता से लिया जाएगा तथा इसके अनुपालन हेतु सभी यथासंभव प्रयास किए जाएंगे।

ii. आयोग ने विपणन निदेशालय द्वारा विपणन संबंधी नवीन पहल के संबंध में प्रस्तुत आयोग के निर्णय पर कार्यसूची मद संख्या ३ पर निम्नलिखित संशोधनों को अनुमोदन प्रदान किया तथा विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) द्वारा उठाए गए बिन्दु पर सैद्धांतिक अनुमोदन की मांग की:-

(डी) आगे, उन्होनें यह सूचित किया कि उन्होनें माह दिसंबर, 2016 में बिक्री केंद्र वार डाटा

एकत्रित करने का अनुरोध किया था तथा अब तक यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए था।

3. (3) विभागीय बिक्री केन्द्रों हेतु प्रोत्साहन योजना:-

(ए) उपरोक्त योजना सभी इकाइयों (लाभ प्राप्त करने वाली व हानि उठाने वाली) में कार्यान्वित की जाएगी । यह अनुपात 60:40 का होगा। 60 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि विक्रेताओं (सेल्स परसंस) के लिए होगी तथा 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का वितरण अन्य स्टाफ के बीच निम्नानुसार किया जाएगा-लक्ष्यांक प्रोत्साहन राशि लक्ष्यांक प्राप्ति पर तथा लक्ष्यांक के ऊपर 10 प्रतिशत तक कुल बिक्री का 0.5% प्रतिशत यदि बिक्री लक्ष्यांक से 10 से 20 प्रतिशत तक अधिक होती है कुल बिक्री का 0.75 प्रतिशत यदि बिक्री लक्ष्यांक से 20 प्रतिशत व इससे अधिक होती है, तो कुल बिक्री का 1 प्रतिशत

अंतिम लाइन से पहली लाइन में निर्णय को निम्न प्रकार पढ़ा जाए: -

आयोग ने चर्चा के अनुसार सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया और उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) को प्रोत्साहन योजना का ड्राफ्ट दो दिन में तैयार कर उसे मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष के साथ-साथ विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

3 (5) (बी) खादी मंथन/खादी सप्ताह अवधारणा: -

चर्चा के दौरान विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) ने एअर इंडिया को आपूर्ति की गयी टोईलेट्रीज़ (किट्स) और पेकजिंग की दयनीय गुणवत्ता के बारे में माननीय राज्य मंत्री (नागर विमानन) की नाराजगी के बारे में सूचित किया। आगे उन्होने अनुरोध किया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग को एयर इंडिया की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विश्व स्तरीय किट्स बनानी चाहिए और उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) ने 15 दिनों के अंदर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

(iii) आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं/डिज़ाइनर्स/टैलर्स आदि को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभागीय बिक्री भंडारों द्वारा समय पर भुगतान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के क्रम में 45 दिन की सीमा निर्धारित की गयी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी आपूर्तिकर्ता/विक्रेता/डिजाइनर /टैलर आदि को भुगतान के लिए भवन में न आना पड़े। भविष्य में सभी आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं/डिज़ाइनर्स/टैलर्स आदि को किए जाने वाले सभी भुगतान (क्रेडिट शेष) 45 दिनों के अंदर जारी किए जाएंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि यदि देय राशि का भुगतान 45 दिनों के अंदर नहीं किया जाता है तो भुगतान जारी करने के लिए जिम्मेदार संबन्धित मुख्य लेखाकार/ लेखाधिकारी/ लेखाकार/प्रबंधक आदि देरी के लिए जिम्मेदार होंगे और उसके/उनके वेतन से 5% ब्याज की वसूली की जाएगी और संबंधित आपूर्तिकर्ता/ विक्रेता को उसका भुगतान किया जाएगा। यदि देरी होने का कारण उचित है और उसके/उनके नियंत्रण से बाहर है तो ऐसे सभी मामलों में उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) को देरी को माफ करने का अधिकार होगा। (iv) आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभागीय बिक्री भंडारों द्वारा समय पर भुगतान के एक हिस्से के रूप में यह निर्देश दिया गया कि आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं को भुगतान करने के संबंध में यदि पूर्व में परिपत्र/आदेश जारी किए गए है तो उनकी पुन: जांच करने की आवश्यकता है और इससे संबंध में आवश्यक संसोधन करने की भी अवश्यकता होगी।

(v) उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभागीय बिक्री भंडारों के क्रियाकलापों की नियमित रूप से समीक्षा करेंगे और आवश्यकता अनुसार सुधारात्मक उपाय करेंगे।

(vi) खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों द्वारा फाइलों को क्लियर करने की प्रक्रिया में होने वाली देरी के संबंध में (विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) द्वारा उठाया गया बिन्दु), यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक

स्तर पर मामलों/फाइलों को क्लियर करने में अधिकतम 07 दिन निर्धारित किए जाएं और फाइलें केवल तीन स्तरों पर जानी चाहिए (प्रस्तावित अधिकारी, आंचलिक उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी/मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष (उन फाइलों को छोड़कर जिन पर स्थायी वित्त समिति/आयोग के अनुमोदन की आवश्यकता है) और इससे संबन्धित आवश्यक निर्देश परिपत्र के माध्यम से तुरंत जारी किए जाएं।

(vii) आयोग के सदस्यों को वर्तमान में भुगतान की जाने वाली सिटिंग फीस से संबन्धित मामले पर डा. शीला रॉय, विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण) द्वारा ध्यान आकर्षित करने पर उनके द्वारा यह स्पष्टीकरण दिया गया कि आयोग के सदस्यों को भुगतान की जाने वाली सिटिंग फीस के संबंध में 468 वीं बैठक में चर्चा करने का उद्देश्य आयोग के सभी सदस्यों के विचार जानना था और इस प्रकार सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आयोग के सदस्यों की हैसियत के अनुसार सिटिंग फीस बढ़ाने पर एक उचित निर्णय लेने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाए।

(viii) विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) ने उत्पाद प्रापण आदि के लिए गठित विभिन्न समितियों की ओर ध्यान आकर्षित किया, ऐसी समितियों में विभिन्न स्तर के अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होते हैं। बैठक में सभी सदस्यों की उपस्थिती न होने के कारण निर्णय लेने में देरी होती है। आगे उन्होने सुझाव दिया कि यदि खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम के अधीन प्रावधानों के अनुसार समितियां गठित करने की अनिवार्यता है, तब ठीक है। अन्यथा यह सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्णय लिया जाना चाहिए की आगे से किसी भी समिति का गठन न किया जाए। कोई भी समिति नहीं होनी चाहिए और व्यक्तिगत रूप से निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। ऐसा करके हम देरी करने और निर्णय लेने बारे में जवाबदेही तय कर सकते हैं और माननीय प्रधानमंत्री के विचारों के अनुसार काम करने में आसानी होगी।

निर्णय: निर्णय को निम्न प्रकार पढ़ा जाए:-

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग/संयुक्त सचिव ने जानकारी दी कि वित्तीय मामलों से संबंधित शक्तियों को मंत्रालय/एफआरएसआर में परिभाषित किया गया है। तदनुसार, वे दिशानिर्देशों को देखेंगे और उसके बारे में आयोग को जानकारी देंगे। उप-शीर्ष (vii) के अनुलग्नक-II के अनुसार अन्य मुद्दों के अंतर्गत, उसे निम्न प्रकार पढ़ा जाए: -

श्री राजेन्द्र पी. गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) ने सुझाव दिया कि जिन अधिकारियों के विरुद्ध सतर्कता संबंधी मामले चल रहे हैं, उनको संगठन में पदानुक्रम में दूसरे नंबर का पद होने के कारण उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर पदोन्नत नहीं करना चाहिए। आगे उन्होने सूचित किया कि आयोग के जिन उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के विरुद्ध सतर्कता संबंधी मामले चल रहे हैं, उन्हें दिल्ली और मुंबई कार्यालयों में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

डाक विभाग, उत्तराखंड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

माननीय अध्यक्ष महोदय ने जानकारी दी कि डाक विभाग, उत्तराखंड, जिसने पूर्व में बड़ी मात्रा में खादी उत्पादों को अपनाया है, ने खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के विपणन हेतु अपने डाकघरों में पोस्ट शोपी हेतु प्रस्ताव दिया है। समझौता ज्ञापन के प्रारूप को प्रस्तुत किया गया, जिसे अनुमोदित किया गया।

With PM as face of khadi, sales up by 89%

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Retailers may be complaining of moderate sales growth, but khadi seems unaffected by the slowdown.

The sale of khadi products — including garments and other items — shot up over 89% to Rs 814 crore during April-September 2017, compared to Rs 430 crore a year ago, drawing praise from PM Narendra Modi in his monthly radio broadcast 'Mann ki Baat' for transforming the lives of weavers.

BAPU'S LEGACY

"I can imagine how many weaver families, poor fa... and the famil... ha...

...ed from this. We talked of khadi fashion but with my recent experience, I can say that after khadi for nation and khadi for fashion, now, it is becoming khadi for transformation," the PM said. The sales boom was visible during Diwali too, when luxury brands, jewellers and auto companies were complaining about missing footfalls. On October 17, Dhanteras sales at khadi's flagship outlet in the Capital's Connaught Place hit a record of nearly Rs 1.2 crore, scaling last year's peak of Rs 1.11 crore.

Modi has emerged as a brand ambassador of sorts, helping khadi record impressive sales growth over the last few years. The combined sales of khadi and village industries, will top Rs 50,000 crore in the current financial year. New initiatives like gift coupons, tie-ups with large chains and institutional sales have also helped. Gift coupon sales soared from a Rs 86 lakh in the first half of last year to Rs 5.85 crore in the six months ended September 2017.

The Hitavada
BHOPAL ■ Monday ■ October 30 ■ 2017

CityLine

Khadi Lounge India inaugurated at Jawahar Chowk

Ministers at Khadi Launge India inaugural ceremony in Jawahar Chowk.

Ramp walk done by models at Khadi fashion show.

(Pics by Laeeq Khan)

■ Staff Reporter

KHADI Lounge India was inaugurated in a special event at Jawahar Chowk on Sunday. In the launching ceremony Archana Chitnis Minister Women and Child Development, Antar Singh Arya Animal Husbandry, Fishermen Welfare and Fisheries Development, Cottage and Rural Industries, Environment, Khadi Gram Udyog Board Chairman Suraj Singh Arya, Madhya Pradesh Khadi Gram Udyog board member Jaya Prakash Tomar were present as special guests.

Talking at launching ceremony Chief Executive Officer Central Region from Khadi and Village Industries Commission MP Singh said that this was achieved due to the stringent effort done by Khadi Gram Udyog this inauguration was made possible. The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) is a statutory body established by an act of parliament in April 1927 it took over the work of former all India Khadi and Village Industries Board.

The social objective of the commission is of providing employment and the economic objective of producing saleable articles. The wider objective is to create self-reliance amongst the poor and also to build-up a strong rural community.

Archana Chitnis Minister Women and Child Development said that in Burhanpur district Khadi production centre is going to be opened. To promote the sale and marketing of khadi and/or products of village industries or handicrafts, efforts will also be done to forge linkages with established marketing agencies wherever feasible and necessary. Besides, this to encourage honey production honey boxes will also be distributed especially to women artisans so that it can facilitate them to get more revenue.

Antar Singh Arya Minister Animal Husbandry, Fishermen Welfare and Fisheries appreciated the work done by Khadi Gram Udyog and said that all kind of help by the government will be provided.

It has to be mentioned that KVIC also helps in including the use of non-conventional energy and electric power with a view to increasing productivity, eliminating drudgery and otherwise enhancing their competitive capacity and arranging for dissemination of salient results obtained from such resea... Khadi Gram U...

chairman Suraj Singh Arya said that KVIC in collaboration with Madhya Pradesh Government are working to create self reliance among rural sector workers. Its functions also comprise building up of a reserve of raw materials and implements for supply to producers, creation of common service facilities for processing of raw materials as semi-finished goods and provisions of facilities for marketing of KVI products apart from org... of training of ... in these ...

going to be opened and also through honey mission honey box will be distributed at various centres at Gwalior, Morena district.

In the concluding session Fashion show was organised in various fashion designers exhibited their innovations in Khadi fabric which witnessed applaud from the audience.

Ministers including Antar Singh Arya and Archana Chitnis also participated in the ramp walk to encourage young budding fashion designers. The also appreciated young fashion designers for their love Khadi fabric.

KVIC creates...

Cont. from pg. 1

one of the very large supply base in the Country. We have a vision of increasing Khadi production by 5 times reaching a target of 6000 crores in the next 3 years which would also generate an additional estimated employment up to around 2 millon."

On the other hand, Ms. Saree Basu says, "Retail is a new vertical started by Design Aricoz of which khadi India store in New Mumbai is the first and subsequently few more stores we plan to open both in the country and ...broad." Saree has been ...ciated with KVIC for almost 15 years as a designer and has won many awards for KVIC for designing various events and exhibitions and most recently designed the tableau for KVIC at Rajpath on 26th January. Her love and passion for khadi has given her the urge to start this store.

The retail shop of the Franchisee at the Franchisee Premises will sell only the Products approved by KVIC and not sell any products which do not bear Khadi* Mark* as per Khadi Mark Regulations, 2013 issued by Khadi and Village Industries Commission.

KVIC creates history, gives a Khadi Franchise Showroom to Navi Mumbai residents

By Chandrashekhar Hendve

VASHI: Khadi and Village Industries Commission (KVIC), in yet another initiative created a history by giving a Khadi Franchise Showroom to the people of New Mumbai by opening its another Chain of Franchisee Showroom".

Pleased to inform over this latest series of venture, KVIC Chairman Shri Vinai Kumar Saxena said, "It is our mission to make Khadi available at every door step for sale. This franchisee inaugurated here today is another step in this direction. We are planning to bring up a robust sales network in every town, District and city. The response is very encouraging. We have received interest in franchisee sale from major metro cities like Mumbai, Delhi, Chennai, Pondicherry, Goa, and Kolkata and even for Dubai for KHADI INDIA outlets".

He further said "Due to pro-active support of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modiji who has been championing cause of Khadi through "Maan Ki Baat" the demand of Khadi has been surging between the sales of Khadi during 2016-17 rose to Rs. 2005 crores from a figure of Rs. 1510 crores in the previous year which is 33% increase. The total KVI total over of the sector is an astounding figure of Rs. 51997 crores making it

Cont. on pg. 2

समाचार पत्रों में प्रकाशित सुर्खियाँ...

A Khadi courtesy

Khadi is now a fabric to live for, thanks to PM Modi's support to the humble cloth. SARFARE finds out more about this Indian fabric for Diwali, in terms of style and gifting option

Growth & PM support

Great gifting choice

Wearing & accessorising with Khadi

Not so common anymore

www.freepressjournal.in

20 NEWS

Apiculture: KVIC plans to create 50,000 jobs for farmers, tribals

India is currently placed at the 15th spot in the world in honey collection

Indian-origin teenager becomes UK's youngest millionaire

दुबई में खादी इंडिया

03 साल में 05 गुना उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य

दुबई में प्रियदर्शी शोरूम खोलने की तैयारी

Economy will bounce back, but what about job...

"Bharat Darshan Diwali Special Tourist Train" Ex-Pune on 23.10.2017

Digital India programme to provide 20-30% growth in India's GDP: Alphons

Khadi made a huge impact in the lives of artisans

Khadi Fest 2017 inaugurated at Vile Parle

Shri Vinai Kumar Saxena, Chairman Khadi & V.I. Commission (KVIC) inaugurated 'KHADI FEST-2017' an exhibition of KVIC products at Irla Road Vile Parle, Mumbai today. The Chairman in his address, said that Khadi had been spreading its wings in all directions for creating maximum job opportunities for the artisans. "Since sanitation and Khadi was close to Mahatma Gandhi's heart, the KVIC is all set to take his legacy forward," he said, adding, "We have also taken up the call of Prime Minister's call of 'Sweet Revolution' very seriously and we are trying to give a major push to our 'Honey Mission' in the coming days. It was the initiatives and appeals made by our Prime Minister – who is himself the latest USP of Khadi – that Khadi has now become a fashion trend among the youths," he said, adding, "Even the results speak. The previous governments could increase the sale by 70 percent in 10-odd years, but we enhanced it to 90 percent."

खास खबर — गांधी स्मारक में ऑडिटोरियम का सांसद ने किया उद्घाटन, मनु बई स्कूल के बच्चों ने वैष्णव भजन से किया कार्यक्रम का आगाज

खादी के लिए सांसद खेर ने काता चरखा

समाचार पत्रों में प्रकाशित सुर्खियाँ...

खादी ला रही है बदलाव

मन की बात में पीएम ने की जवानों की तारीफ, कर रहे शांति स्थापित

अमर उजाला ब्यूरो
नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में खादी की रिकॉर्ड बिक्री की चर्चा करते हुए कहा कि खादी देश में बदलाव का बड़ा माध्यम बनती जा रही है। उन्होंने सेना की प्रशंसा करते हुए कहा, हमारे जवान न सिर्फ सीमा पर, बल्कि दुनिया भर में शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी ने पहली बार बाल दिवस की चर्चा करते हुए पंडित नेहरू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद किया।

इस दिवाली को जवानों के साथ मनाने की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने सुरक्षा बलों के त्याग, समर्पण और संघर्ष की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे जवान न केवल सीमा पर, बल्कि दुनिया भर में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शांति रक्षक बन कर हमारे जवान दुनिया में अपने देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सभी को न सिर्फ जवानों का अनुभव जानना चाहिए, बल्कि उनकी गौरवगाथा भी सुननी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही देश में संपन्न हुए फीफा अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय टीम ने मेडल तो नहीं जीता, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने सब का दिल जीत लिया। उन्होंने हाल में खेल जगत में भारत की उपलब्धियों की तारीफ की।

नेहरू-इंदिरा को किया याद: कार्यक्रम में बाल दिवस और बलिदान दिवस की चर्चा करते हुए मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और इंदिरा का पहली बार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को बाल दिवस और डायबिटीज दिवस भी है। बच्चों को नए भारत के निर्माण का हीरो बताते हुए कहा कि डायबिटीज अब बच्चों को भी अपनी गिरफ्त में ले रही है।

उजिरे में रविवार को लाभार्थी को रुपे कार्ड प्रदान करते पीएम मोदी व अन्य।

बढ़ा है डिजिटल ट्रांजेक्शन : मोदी

उजिरे (कर्नाटक)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक में कहा कि देश डिजिटल करंसी के युग में पीछे नहीं रह सकता है। उन्होंने नोटबंदी के बाद डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की कोशिशों का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं की खिंचाई की और कहा कि ये लोग कह रहे थे कि भारत गरीब है। यहां के लोग अशिक्षित हैं और वे डिजिटल ट्रांजेक्शन नहीं कर सकते। लेकिन नोटबंदी के बाद डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ा है।

गलत साबित हुए विरोध करने वाले तीसमार खां

मंगलुरू से 50 किलोमीटर दूर एक रैली में मोदी ने कहा डिजिटल करंसी का नया युग शुरू हो चुका है और भारत इसमें पीछे नहीं रह सकता। सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए यह जरूरी है। सिस्टम में ज्यादा कैश सामाजिक बुराइयां लेकर आता है।

मोदी ने डिजिटल ट्रांजेक्शन का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं की खिंचाई करते हुए कहा कि पिछले साल नवंबर, दिसंबर और जनवरी में दिग्गजों ने संसद में भाषण दिए। अगर आपने इन तीसमार खां के भाषण नहीं सुने हैं तो इन्हें जरूर [illegible] महान विद्वान वाले ये लोग कह रहे थे कि भारत की जनता गरीब है। वे डिजिटल लेनदेन कैसे करेंगे। वे आश्चर्य जता रहे थे कि लोग कैशलेस कैसे हो सकते हैं। जबकि हकीकत यह है कि देश में नोटबंदी के बाद डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ा है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन लोगों ने डिजिटल ट्रांजेक्शन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एजेंसी

भारत हा जागतिक शांतिदूत

'मन की बात'मध्ये पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचे प्रतिपादन

पीटीआय, नवी दिल्ली

भारत हा शांतीदूत असून संयुक्त राष्ट्राच्या जगभरातील शांतता, ऐक्य आणि सुसंवाद प्रस्थापित करण्याच्या योजनांमध्ये मोठी भूमिका बजावत असल्याचे प्रतिपादन पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी केले.

'मन की बात' या आकाशवाणीवरील कार्यक्रमामध्ये मोदी देशवासीयांशी संवाद साधत होते. यावेळी त्यांनी भारत जगभरातील ८४ देशांमध्ये पुरवीत असलेल्या वैद्यकीय मदतीबाबतही भाष्य केले. तसेच संयुक्त राष्ट्राला मदत करणाऱ्या देशांमध्ये भारताचा तिसरा क्रमांक लागतो. जवळपास ७ हजार सुरक्षा रक्षक विविध देशांमध्ये शांतिदूताचे काम करत असल्याचे त्यांनी सांगितले.

आपला भारत देश 'वसुधैव कुटुंबकम्' म्हणजेच हे जग एकच आहे, असे मानतो. यामुळेच संयुक्त राष्ट्राच्या मोहिमांमध्ये भारत सहभागी होतो. २०१७ पर्यंत भारताने कोरिया, कंबोडिया, लाओस, व्हिएतनाम, काँगो, सायप्रस, लायबेरिया, लेबेनॉन आणि सुदानमधील ५० मोहिमांमध्ये प्रत्यक्ष सहभाग घेतला आहे. यांमध्ये भारतीय महिलांचेही मोठे योगदान असल्याचे त्यांनी नमूद केले. काँगो आणि दक्षिण सुदानमध्ये जवळपास २० हजार लोकांवर वैद्यकीय उपचार करण्यात आले. आपल्या शांतिदूतांनी तेथील दहशतवादाचा बीमोड करताना स्थानिक नागरिकांना कोणतीही हानी न पोहोचवता काम केले आहे. महात्मा गांधी आणि गौतम बुद्धांनी जगभरामध्ये शांतीचा संदेश दिला. त्याच्या आदर्शावर चालणारा हा देश असल्याचे म्हटले.

तसेच ३१ ऑक्टोबरला पहिले उपपंतप्रधान सरदार वल्लभभाई पटेल यांची जयंती आणि माजी पंतप्रधान इंदिरा गांधी यांची पुण्यतिथी आहे. हा दिवस 'एकता दौड' म्हणून पाळण्याचे आवाहन त्यांनी केले.

कुमार विश्वचषक फुटबॉल स्पर्धेमध्ये भारतीय संघाने जरी जेतेपद मिळविले नसले, तरीही उत्तम कामगिरी करून देशवासीयांच्या चेहऱ्यावर हसू फुलवल्याचे गौरवोद्गार मोदी यांनी काढले. यावेळी त्यांनी पहिले पंतप्रधान पंडित जवाहरलाल नेहरू यांच्या जयंतीनिमित्त लहान मुलांमध्ये वाढत्या मधुमेहाच्या विकारावर भाष्य केले. तसेच गुरु नानक हे केवळ शिखांचेच नव्हे तर जगाचे गुरू असल्याचे ते म्हणाले. चंद्रपूर शहरात पर्यावरण व वन्यजीव तसेच सामाजिक क्षेत्रात कार्य करणारी इकॉलॉजीकल प्रोटेक्शन ऑर्गनायझेशन 'इको-प्रो' संस्थेतर्फे सुरू असलेल्या चंद्रपूर जिल्हा किल्ला स्वच्छता अभियानास २२९ दिवस पूर्ण झाले. या स्वच्छता अभियानाचा उल्लेखही त्यांनी कार्यक्रमात केला.

परिवर्तनासाठी खादीचा वापर

यंदा दिवाळीमध्ये खादीची मागणी ९० टक्क्यांनी वाढली. गांधी जयंतीला खादीचा वापर करण्याचे आवाहन नेहमी करण्यात येते. याचा चांगला परिणाम दिसत आहे. धनतेरसवेळी दिल्लीतील खादी भांडाराने विक्रमी १.२ कोटीं रुपयांची विक्री केली. राष्ट्रासाठी खादी वापरा, असे आवाहन यापूर्वी केले जात होते. मात्र, आता त्याची जागा 'परिवर्तनासाठी खादी'ने घेतली असल्याचे मोदी म्हणाले.

हर सामान के GST रेट की जानकारी बिल में नहीं देनी पड़ेगी

ईटी, नई दिल्ली: रिटेल कंपनियों को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के तहत हर आइटम की डिटेल के साथ लंबा बिल नहीं देना पड़ेगा। इससे इन कंपनियों पर बिलिंग और कंप्लायंस का बोझ कम होगा। जिन चीजों पर शून्य जीएसटी है, उनके लिए भी रिटेल कंपनियों को अलग से इनवॉइस देने की जरूरत नहीं है और वे सभी चीजों के लिए एक ही बिल दे सकती हैं। जीएसटी काउंसिल ने इन बदलावों को मंजूरी दे दी है। स्टेकहोल्डर्स की मांग पर एक लॉ कमेटी बनाई गई थी, जिससे मिले सुझाव के आधार पर यह फैसला हुआ है। इन दोनों बदलावों से रिटेल कंपनियों के लिए इनवॉइस और फाइलिंग आसान हो जाएगी।

रिटेल कंपनियों को राहत

वे सभी सामान के लिए एक बिल दे सकती हैं और उसमें सिर्फ कुल टैक्स के बारे में बताना होगा। इससे उन्हें लंबे बिल देने से आजादी मिलेगी। पहले इन कंपनियों को सभी आइटम का अलग-अलग जिक्र करना होता था और उन सबकी कीमत और टैक्स की जानकारी देनी पड़ती थी।

पंजाब केसरी
ई-पेपर
2/4

बी-कीपिंग प्रशिक्षुओं को बांटे 90 बी-बॉक्स

सरकार महिला सशक्तिकरण को दे रही प्राथमिकता : हिना

श्रीनगर, 25 अक्तूबर (मजीद): खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) के प्रशिक्षण केन्द्र पी.एम.टी.सी. पांपोर में आयोग की सदस्य (उत्तरी क्षेत्र) डा. हिना शफी भट्ट ने बी-कीपिंग प्रशिक्षुओं को 90 बी-बॉक्स बांटे। डा. हिना ने केन्द्र में सिलाई एवं फैशन डिजाइनिंग पाठ्यक्रम की 30 लड़कियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम समाप्त होने पर प्रमाण-पत्र वितरित किए।

प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित समारोह के दौरान बी-कीपिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 उम्मीदवारों को 90 बी-बॉक्स दिए गए, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। उन्होंने कहा कि के.वी.आई.सी. द्वारा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली लड़कियों से आग्रह करते हुए हिना ने कहा कि के.वी.आई.सी. द्वारा जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) किया जा रहा है जिसके तहत उम्मीदवारों को सर्विस सैक्टर के तहत 10 लाख, जबकि निर्माता सैक्टर के तहत 25 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। यही नहीं, इस योजना के तहत 35 प्रतिशत सबसिडी दी जाती हैं। अब केन्द्र में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। भविष्य में और भी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को शुरू किया जाएगा।

इस दौरान राज्य निदेशक विनय कुमार ने कहा कि पी.एम.टी.सी. में जल्द ही आधुनिक उपकरण स्थापित किए जाएंगे, ताकि यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं को असुविधाओं का सामना न करना पड़े। इससे पहले केन्द्र के प्रिंसीपल एवं सहायक निदेशक कश्मीर क्षेत्र अनिल कुमार ने कहा कि केन्द्र में जल्द ही केसर प्रोसैसिंग और ड्राई फ्रूट प्रोसैसिंग पाठ्यक्रम होंगे। समारोह के दौरान कई युवाओं ने हिना के समक्ष कई मांगें रखीं और उनको पूरा करने का आग्रह किया। मांगों को सुनने के बाद डा. हिना ने युवाओं को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों को विभाग द्वारा जल्द ही पूरा किया जाएगा।

श्रीनगर : हिना शफी भट्ट राज्य निदेशक और प्रिंसीपल युवतियों को प्रमाण पत्र और बी-कीपिंग बाक्स देते हुए। (समीर/रोशन)

पर 2 अक्टूबर को संपन्न हो गया। उठाया। एयर फेस्ट के दौरान फ्लाई दुकानें भी सजाई गईं थीं। का उद्घाटन किया।

रंगिया में गांधी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

▲ निज संवाददाता

रंगिया, 2 अक्टूबर। गांधी जयंती के मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ रंगिया में भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर स्थानीय गांधी मंडप और स्थानीय कृषक शहीद भवन प्रांगण के पास सफाई अभियान के बाद आज सुबह 9 बजे आयोजकों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पण की गई। इसके बाद रंगिया पौरसभा की पूर्व अध्यक्ष सीमा वैश्य ने गांधीजी की छवि के सामने दीप प्रज्वलित किया। स्थानीय ग्राम स्वराज परिषद के सदस्यों ने कृषक भवन प्रांगण में रामधुन पेश किया। इसके बाद सुबह 10 बजे रंगिया कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष गोलोक चंद्र भुयां के संचालन में 'अस्पृश्यता समाज की व्याधि' विषय पर एक संगोष्ठी हुई, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में लोकसभा सांसद रमेन डेका, रंगिया के विधायक भवेश कलिता सहित विशिष्ट वक्ता समाजसेवक नरेन शर्मा, राईजमेल कृषक शहीद समिति के सचिव पविन कलिता, रंगिया कॉलेज के प्राध्यापक मुकुल कलिता सहित सभी विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे।

मालूम हो कि कार्यक्रमों का आयोजन ग्राम स्वराज परिषद के सचिव निरंजन कलिता, राईजमेल कृषक शहीद भवन के सचिव पविन कलिता, रंगिया पौर सभा की अध्यक्ष देवकी बोड़ो, रंगिया प्रेस क्लब के सचिव फारूक अहमद, रंगिया हरिजन संस्था के नरेश बासफोर, स्वेच्छासेवी साधना के सचिव ज्योतिष कलिता, प्रदेश स्वतंत्रता सेनानी सम्मिलन के अध्यक्ष कृष्ण लहकर तथा स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा किया गया।

समाचार पत्रों में प्रकाशित सुर्खियाँ...

Regd No. MCS/070//2015-17 RNI No 43892/1987
मुंबई, 18 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2017
व्यापार टेक्सटाइल

खादी पर साल भर मिलेगी छूट

हमारे संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के खादी ग्रामोद्योग मंत्री श्री सत्यदेव चौधरी ने कहा कि खादी उत्पादों पर अब छूट दो अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक लागू रहने बजाय साल भर रहेगी।जिसके तहत खादी उत्पादों पर छूट की सीमा भी 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है।यह छूट सिर्फ खादी ग्रामोद्योग प्रतिष्ठानों पर मिलेगी।उन्होंने कहा कि अब खादी फॉर फैशन-खादी फॉर नेशन का कॉम्बीनेशन उभरेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहली बार खादी नीति बनने जा रही है।इससे पहले सिर्फ गुजरात में राज्य में खादी नीति बनेगी।

उन्होंने कहा कि लखनऊ एयरपोर्ट पर खादी का शोरुम खुलवाया गया है।जहां से विदेशी पर्यटक खादी वस्त्र खरीद कर ले जाते है।उन्होंने कहा कि खादी को प्रोत्साहन देने के बजाय अपेक्षित किया गया।जिसके तहत खादी उत्पादन समितियों ने बुनकरों को उचित पारश्रमिक नहीं दिया। जिनको अब आधार से लिंक किया जाएगा और फर्जी समितियों की जांच कराई जाएगी।खादी का उत्पादन बढ़ाने को लेकर अब सोलर चरखों पर खादी बनेगी।जिससे रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्रा के संसदीय क्षेत्र में 50-50 सोलर चरखों का कलस्टर तैयार किया गया है।

केवीआईसी द्वारा बिकने वाले खादी कपड़ा के कारोबार को मिलेगा बढ़ावा

रमाकांत चौधरी

नई दिल्ली। गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 9 सितम्बर 2017 को हैदराबाद में बैठक हुई थी।जिसमें जीएसटी काउंसिल के अध्यक्ष एवं मोदी सरकार के वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने अध्यक्षता की थी जिसमें देश भर के वित्त मंत्रियों ने शिरकत की थी।जिसमें खादी कपड़े पर जीएसटी को मुक्त करने का फैसला किया गया।जिससे स्वभाविक है कि अब खादी कपड़े सहित खादी परिधानों के कारोबार को व्यापक रुप से बढ़ावा मिल सकेगा।जिससे खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में विकास का नया मार्ग प्रशस्त होगा और इस क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

दरअसल मोदी सरकार की तरफ से नई जीएसटी व्यवस्था को पहली जुलाई से सफलता पूर्वक लागू कर दिया गया।जिसके तहत खादी कपड़ा एवं परिधान पर जीएसटी आरोपित कर दिया गया था।जिससे खादी ग्रामोद्योग के खादी कपड़े एवं परिधान का कारोबार जुलाई-अगस्त में बुरी तरह से प्रभावित हो गया था।जिससे खादी कपड़ा एवं परिधान के उद्योग व्यापार से संबंधित कामगारों को रोजगार विशेष रुप से प्रभावित होने लगा था।जिसको लेकर खादी ग्रामोद्योग की तरफ से मोदी सरकार के वित्त मंत्री एवं जीएसटी काउंसिल के अध्यक्ष श्री अरुण जेटली से गुहार लगाई जाने लगी थी कि खादी कपड़े एवं परिधान को जीएसटी से अविलम्ब मुक्त किया जाए ताकि खादी कपड़े एवं परिधान को मंदी से उबारा जा सकेगा।

हालांकि मोदी सरकार की तरफ से खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की कठिनाईयों पर तिरछी निगाहें टिका रखीं थी और आखिरकार जीएसटी काउंसिल की तरफ से खादी के कपड़े पर आरोपित 5 प्रतिशत जीएसटी को वापस ले लिया गया।जिससे खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में उत्साह का संचार हो गया है और अब खादी कपड़े

सहितज खादी परिधानों का कारोबार के दिन बहुरेंगे और नया कारोबार का आयाम स्थापित हो सकेगा। जिसको लेकर खादी ग्रामोद्योग की तरफ से खादी कपड़े सहिजत खादी परिधान निर्मित करने को लेकर फिनिशिंग व साईनिंग पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि उत्कृष्ट गुणवत्ता की वैश्विक खादी ब्रांड को स्थापित करने में मदद मिल सकेगी।जिसके तहत आज के आधुनिक परिवेश के अनुरुप नित्य नए बदलते फैशन को अनुसरण करते हुए खादी कपड़े सहित खादी परिधानों में नए डिजाइन, पेटर्न, कलर, लुक पर विशेष रुप से फोकस किया जा रहा है। जिससे स्वभाविक है कि अब खादी के कपड़े सहित परिधानों को आज के आधुनिक डिजाइन पेटर्न से लबरेज किया जा रहा है और देश व विदेश में कारोबार बढाने को लेकर सुसज्य हैं। जिसको लेकर खादी ग्रामोद्योग की तरफ से देश ही नहीं अपितु विदेशों में खादी कपड़े सहित परिधानों के कारोबार को विस्तार देने को लेकर बिजनस प्रतिनिधियों को तैयार कर रहे हैं और नए सिरे से नए कीर्तिमान हासिल करने की ओर अग्रसर है। जिसको लेकर खादी ग्रामोद्योग की तरफ से विदेशों में खादी के शोरुम खोलने को लेकर सुसज्य हो रहे हैं। जिससे खादी कपड़े एवं परिधान को वैश्विक व्यापारिक पटल पर नया पहचान दिलाया जा सकेगा।वैसे भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण में खादी का विशेष महत्व है और खादी को बढ़ावा देने को लेकर युवाओं से बार बार खादी पहने को लेकर अपील करते रहते हैं जिससे युवाओं में भी अब खादी पहने की ललक तेजी से बढ रही है और खादी का कारोबार नए पथ की ओर अग्रसर हो रहा है।जिसके तहत खादी कपड़ा एवं परिधान का कारोबार आगामी वर्षों में नए पायदान पर कीर्तिमान हासिल करने में कामयाब हो सकेगा।

સિટી ACTIVITY

ખાદી ગ્રામોદ્યોગના જનરલ સેક્રેટરી ચારૂલ વક્તાએ કહ્યું કે 'ખાદી કાપડને ડિઝાઇનર પાસે લઇ જઇને યુથને ગમે એવું કલેક્શન તૈયાર કરાશે'

ખાદી ગ્રામોદ્યોગમાં સિલ્ક, સુતરાઉ અને રો-સિલ્ક પર પ્રદર્શન યોજાયું

Talk on Khadi

સ્ટેજ પર બાળકોએ વાર્તાકથન અને નાટક પ્રસ્તુત કર્યુ

ટ્રાફિક અવેરનેસ પ્રોગ્રામનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

Traffic Awareness

સરકારે ગત વર્ષની સરખામણીએ ખાદી પર ૫ ટકા વળતર ઓછું આપ્યુ

પાટણમાં ખાદી ખરીદવા લોકોનો ઘસારો : એક જ દિવસમાં રૂા. ૧ લાખની ખાદીની ખરીદી થઇ

(બુ.ન્યુ.સ., પાટણ)

પાટણ શહેરમાં ૨જી ઓકટોબર ગાંધી જયંતિ પ્રસંગે રાજકીય પક્ષોના કાર્યકરો અને લોકોએ ખાદીની ખરીદી કરી ગાંધી જયંતિની ઉજવણી કરી હતી.

ગ્રામોદ્યોગની વસ્તુ પર ૨.૫ ટકા જીએસટી લગાવતા ઘરાકી ઘટી : ભાજપના કાર્યકરોએ ખાદીની ખરીદી કરી

૨જી ઓકટોબર ગાંધી જયંતિ પ્રસંગે સરકાર દ્વારા ખાદીની ખરીદી પર પાસ વળતર જાહેર કરવામાં આવે છે જેથી લોકો વધુમાં વધુ ખાદીના વસ્ત્રોની ખરીદી કરે અને ખાદીના વણાટ સાથે સંકળાયેલા ગરીબ અને મધ્યમ પરિવારોના ઘરોમાં દિવાળીના તહેવારોમાં રોશની ઝળહળી ઉઠે અને તેઓ આર્થિક રીતે સમૃધ્ધ થઇ શકે.

पंजाब केसरी
ई-पेपर
1/4

के.वी.आई.सी. पाम्पोर में बापू की मूर्ति पर फूल चढ़ाते अनिल कुमार शर्मा व अन्य। (समीर)

चित्रकारी प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते अनिल कुमार। (समीर)

कश्मीर में के.वी.आई.सी. ने मनाई 'गांधी जयंती'

श्रीनगर, 2 अक्तूबर (मजीद): खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) पाम्पोर में धूमधाम से गांधी जयंती मनाई गई। राष्ट्रपिता बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए के.वी.आई.सी. पाम्पोर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.) के तहत विशेष अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, स्कूली छात्रों के बीच चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में के.वी.आई.सी. के सहायक निदेशक (प्रभारी कश्मीर) अनिल कुमार शर्मा, खादी संस्थानों के सचिवों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य लोगों ने बापू की मूर्ति पर फूलमालाएं चढ़ाईं और उनको नमन किया।

पी.एम.ई.जी.पी. के तहत 200 आवेदन प्राप्त

के.वी.आई.सी. में गांधी जयंती पर पी.एम.ई.जी.पी. के तहत आयोजित विशेष अभियान के दौरान 200 आवेदन प्राप्त किए गए। इस संबंध में अनिल कुमार ने पी.एम.ई.जी.पी. के आवेदन भरने वालों को योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आवेदनकर्त्ताओं में ज्यादातर लड़कियां थीं, जिनको योजना के बारे में पम्फलेट भी दिए गए।

परिसर में लगाए पौधे

अनिल, जो पी.एम.टी.सी. पाम्पोर के प्रिंसीपल भी हैं, ने कहा कि परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। केन्द्र के कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने परिसर में पौधे लगाकर आसपास रहने वालों को स्वच्छता का संदेश दिया।

चरखा और तिरंगा की तस्वीर बनाने वाले को मिला प्रथम पुरस्कार

गांधी जयंती पर के.वी.आई.सी. पाम्पोर में स्कूली बच्चों के लिए आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता के दौरान 7वीं कक्षा के छात्र ने चरखा और तिरंगा की तस्वीर बना कर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

चित्रकारी प्रतियोगिता में लगभग 60 बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को केन्द्र द्वारा सभी सामना मुहैया करवाया गया। चरखा और राष्ट्र ध्वज की तस्वीर बना कर साकिब फयाज ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया, जबकि दूसरा पुरस्कार मुस्कान व तीसरा उकबा ने प्राप्त किया।

स्वच्छ भारत के तहत चलाया सफाई अभियान

'**स्वच्छ** भारत अभियान' के तहत क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें अनिल कुमार शर्मा, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने परिसर की सफाई की और भविष्य में भी परिसर को साफ रखने का संकल्प लिया।

इस संबंध में के.वी.आई.सी. के सहायक निदेशक (प्रभारी कश्मीर) अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि आज महात्मा गांधी की 148वीं जन्मदिवस पर जहां पूरे देशवासी स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम को सफल बना कर बापू को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, वहीं कार्यालय में इन कार्यक्रमों का आयोजन कर हमने भी बापू को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि ध्यान देने वाली बात यह है कि महात्मा गांधी के जीवन का मंत्र था 'स्वच्छता ईश्वर है'। अपने जीवनकाल में महात्मा गांधी ने स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित किया था। उनके कदमों पर चल कर भारत सरकार ने देश को 2019 तक 'क्लीन इंडिया' बनाने का संकल्प लिया है।

वहीं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अनिल ने कहा कि गांधी जी अहिंसा के पुजारी होने के साथ ही स्वच्छता पसंद करते थे। हमें उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के साथ ही स्वच्छता का पूरा ध्यान रखना होगा। हमें अपने घर व उसके आस-पास व अपने नगर को भी साफ रखना चाहिए। उन्होंने स्व. लाल बहादुर शास्त्री को भी नमन करते हुए कहा कि शास्त्री जी जो कहते थे, वही करते थे। वह सच्चाई के अग्रदूत थे। उनका भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पुराना जुकाम, छींकें (एलर्जी), दमा व चमड़ी की एलर्जी
✓ छींकें आना, गले में रेशा गिरना
✓ आंखों में खारिश व पानी बहना
✓ नाक में खारिश एवं पानी बहना
✓ कानों में सायं-सायं की आवाज आना
✓ सांस फूलना व सीटियों की आवाज आना
✓ खांसी एवं छाती में रेशा
यहां लाखों मरीजों ने एलर्जी से हमेशा के लिए मुक्ति पाई है।
दवाई फोन पर भी मंगवाई जा सकती है। 92160-92144
Arogyam आरोग्यम् चेन आफ आयुर्वैदिक सैंटर्स
17 साल से आपकी सेवा में • करनाल | हिसार | भटिंडा | पटियाला | जालंधर | नई दिल्ली

समाचार पत्रों में प्रकाशित सुर्खियाँ...

ફૂલછાબ

શનિવાર, તા. ૩૦-૯-૨૦૧૭

એક સમયે ખાદી પર 'નેશન' હતું, આજે ફેશન છે : ભુપેન્દ્રસિંહ ચુડાસમા

અમદાવાદ, તા.૨૯: ખાદી સપ્તાહની ઉજવણી અંતર્ગત આજે શિક્ષણ પ્રધાન ભૂપેન્દ્રસિંહ ચુડાસમા અને શિક્ષણ વિભાગના ઉચ્ચ અધિકારીઓએ ગાંધીનગરના સેકટર-૧૬માં આવેલા ખાદી ગ્રામોદ્યોગ ભવન ખાતેથી ખાદીના વસ્ત્રોની ખરીદી કરી હતી. શિક્ષણ પ્રધાન ભૂપેન્દ્રસિંહ ચુડાસમાએ જણાવ્યું હતું કે, ખાદી એક કપડું નથી પણ રાષ્ટ્રપિતા મહાત્મા ગાંધીજીએ દેશની આઝાદીના પ્રતીક અને વિચાર તરીકે દેશને આપ્યું હતું. ગુલામીમાંથી આઝાદી મેળવવા અને સમાજના પછાત-ગરીબ લોકોને રોજી રોટી મેળવવાના સાધન તરીકે ગાંધીજીએ ઉત્તમ રીતે ખાદીને રજુ કરી હતી. એક સમયે ખાદી પર નેશન હતું, આજે ખાદી પર ફેશન છે. સરકાર દ્વારા તા.૨૫મી સપ્ટેમ્બર પંડિત દીનદયાળ ઉપાધ્યાયની જન્મજયંતીથી રાષ્ટ્રપિતા મહાત્મા ગાંધીજીની જન્મજયંતી તા.૨ ઓક્ટોબર સુધી ખાદી સપ્તાહની ઉજવણી કરવામાં આવી રહી છે. રાજ્યના સમગ્ર તાલુકાઓમાં ખાદીની ખરીદી થઇ રહી છે. જ્યાં ખાદીના કેન્દ્રો ન હતા, ત્યાં કેવીઆઇસી દ્વારા ખાદીના હંગામી સ્ટોલ પણ ઉભા કરવામાં આવ્યા છે. ખાદી ખરીદીમાં શિક્ષણ વિભાગના અગ્ર સચિવ સુનયના તોમર, ડાયરેક્ટર ઓફ સ્કૂલ જે.ડી.દેસાઇ, ડાયરેક્ટર ઓફ પ્રાયમરી એજ્યુકેશન એમ.આઇ.જોષી,, જીસીઆરટીના ડાયરેક્ટર પી.એસ.જોષી, જિલ્લા કલેક્ટર સતીશ પટેલ, જિલ્લા વિકાસ અધિકારી દેવાંગ દેસાઇ, જિલ્લા શિક્ષણાધિકારી એમ.એસ.બારડ સહિત મોટી સંખ્યામાં શિક્ષણ વિભાગના અધિકારીઓ અને કર્મચારીઓ જોડાયા હતા.

વિજ્યાદશમીની શુભ કામના પાઠવતા રૂપાણી

ગાંધીનગર, તા. ૨૯: મુખ્યપ્રધાન વિજયભાઇ રૂપાણીએ વિજ્યાદશમી પર્વની સૌ નાગરિકોને હાર્દિક શુભકામનાઓ પાઠવી છે. તેમણે જણાવ્યું હતું કે, શક્તિની આરાધના પર્વ અને વિશ્વના સૌથી લાંબા નૃત્ય મહોત્સવ નવરાત્રી પછી આવતું વિજ્યાદશમી પર્વ સમગ્ર ભારતમાં વિજયોત્સવ તરીકે ઉજવાય છે.

काशी Live

खादी का फैशन बदलेगा युवाओं का स्टेटस

पारंपरिक परिधानों संग खादी की जींस और टी शर्ट बाजार में उतारने की तैयारी

दुकानों के साथ ऑनलाइन स्टोर पर भी होंगे उपलब्ध प्रधानमंत्री की अपील के बाद खादी उद्योग में उछाल

लुभाएगी फैशनेबल जूतों की रेंज

खादी और ग्रामोद्योग के निदेशक ने बताया कि पहली बार खादी के जूते हाथ से बनाए गए हैं। जूतों की खासियत यह है कि खादी से बने होने के साथ ये काफी आकर्षक भी हैं। चाहे टेनिस खेलने के लिए हो या जींस के साथ पहनने के लिए। कैजुअल शू अब खादी से तैयार किए जा रहे हैं। इन जूतों की कीमत एक हजार से दो हजार रुपये के बीच रखी गई है। प्रयास है कि जल्द से जल्द ये भी बनारस के बाजार में लोगों को आसानी से उपलब्ध हो सकें।

वाराणसी। युवाओं को रिझाने के लिए खादी में भी अब कई आप्शन आ गए हैं। खादी के ऐसे उत्पाद बाजार में उतारने की तैयारी है, जिससे युवा अपने फैशन स्टेटस को अपडेट कर सकते हैं। कुर्ता-पायजामा और आकर्षक जैकेट के साथ जींस और टी शर्ट भी जल्द बाजार में नजर आएंगे। दुकानों के साथ ऑनलाइन स्टोर पर भी इनकी आकर्षक रेंज उपलब्ध होगी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक बलधारी सिंह ने बताया कि फैशन के दौर में अब खादी भी ब्रांडेड कंपनियों को टक्कर देने के लिए तैयार हो चुका है। जल्द ही बनारस के बाजार में खादी की जींस और टी शर्ट भी देखने को मिलेगी। इसे पहले ब्लू डेनिम, ब्राउन और ब्लैक रंग में उतारा जाएगा। उसके बाद स्थानीय स्तर पर इसका निर्माण शुरू होते ही मल्टी कलर में यह बाजार में उपलब्ध होंगे। खादी ग्रामोद्योग ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। यह जींस खादी से निकलने वाले लकुर से बनी होगी। उन्होंने बताया कि खादी की टीशर्ट युवाओं के लिए बेहद खास है। लुक और फैशन के हिसाब से यह ट्रेंडी लुक में दिखेगी। यह रेंज पहले दुकानों में उतारी जाएगी। इसके बाद इसे ऑनलाइन बाजार में भी उपलब्ध उतारने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद खादी उद्योग में तेजी से उछाल आया है। इसी को देखते हुए जींस और टी शर्ट उतारने की योजना बनाई गई। खादी के रेडीमेड कपड़ों की डिमांड काफी बढ़ी है। कहा कि खादी पोशाक नहीं बल्कि एक सोच है। ब्यूरो

असम : कर्मियों को फ्री में मिलेंगे खादी के कपड़े

गुवाहाटी. असम के हर सरकारी कर्मचारी को मुफ्त में खादी के दो जोड़ी कपड़े दिए जाएंगे। इन कपड़ों को महीने में कम से कम एक दिन पहन कर दफ्तर आना होगा। असम के शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त एवं पर्यटन मंत्री डा. हिमंत विश्व शर्मा ने गांधी जयंती पर यह घोषणा की।

मनपा भी इस तरह के खुले गटरों पर ... को जान न गंवानी पड़े।

मुंबई की ओर तेज रफ्तार से आ रहे मालवाही वाहन ने ऑटो को टक्कर मार दी।

तीनों सेनाओं को जल्द मिलेगी खादी की वर्दी

■ एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की वर्दी खादी के कपड़ों में बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में आयोग को वर्दी के कुछ नमूने भी भेजे हैं। जानकारों के मुताबिक, सरकार अपने इस प्रयास से खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग को और मजबूती प्रदान करना चाहती है। केंद्र की मंशा है कि आयोग द्वारा सेना की वर्दी के लिए खादी का कपड़ा बनाकर अपना व्यापार बढ़ाए।

आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इस संबंध में रक्षा मंत्रालय के साथ बातचीत चल रही है। वहीं आयोग के विपणन प्रमुख रामनारायण का कहना है कि सेना की आवश्यकता के हिसाब से हम मांग पूरी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय को जो कपड़ा वर्दी के लिए चाहिए होगा, वो हम पहले से ही तैयार करते चले आ रहे हैं। इससे पहले हम सेना के लिए मोजे तैयार करते थे। आज की तारीख में आयोग ओएनजीसी और एनटीपीसी सहित कई बड़े सार्वजनिक उपक्रम के ऑर्डर पूरे कर रहा है।

परिवर्तनासाठी खादीचा वापर

यंदा दिवाळीमध्ये खादीची मागणी ९० टक्क्यांनी वाढली. गांधी जयंतीला खादीचा वापर करण्याचे आवाहन नेहमी करण्यात येते. याचा चांगला परिणाम दिसत आहे. धनतेरसवेळी दिल्लीतील खादी भांडाराने विक्रमी १.२ कोटीं रुपयांची विक्री केली. राष्ट्रासाठी खादी वापरा, असे आवाहन यापूर्वी केले जात होते. मात्र, आता त्याची जागा 'परिवर्तनासाठी खादी'ने घेतली असल्याचे मोदी म्हणाले.

Khadi India

स्वस्थ जीवन का प्राकृतिक मार्ग

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृद्धि बुनते है